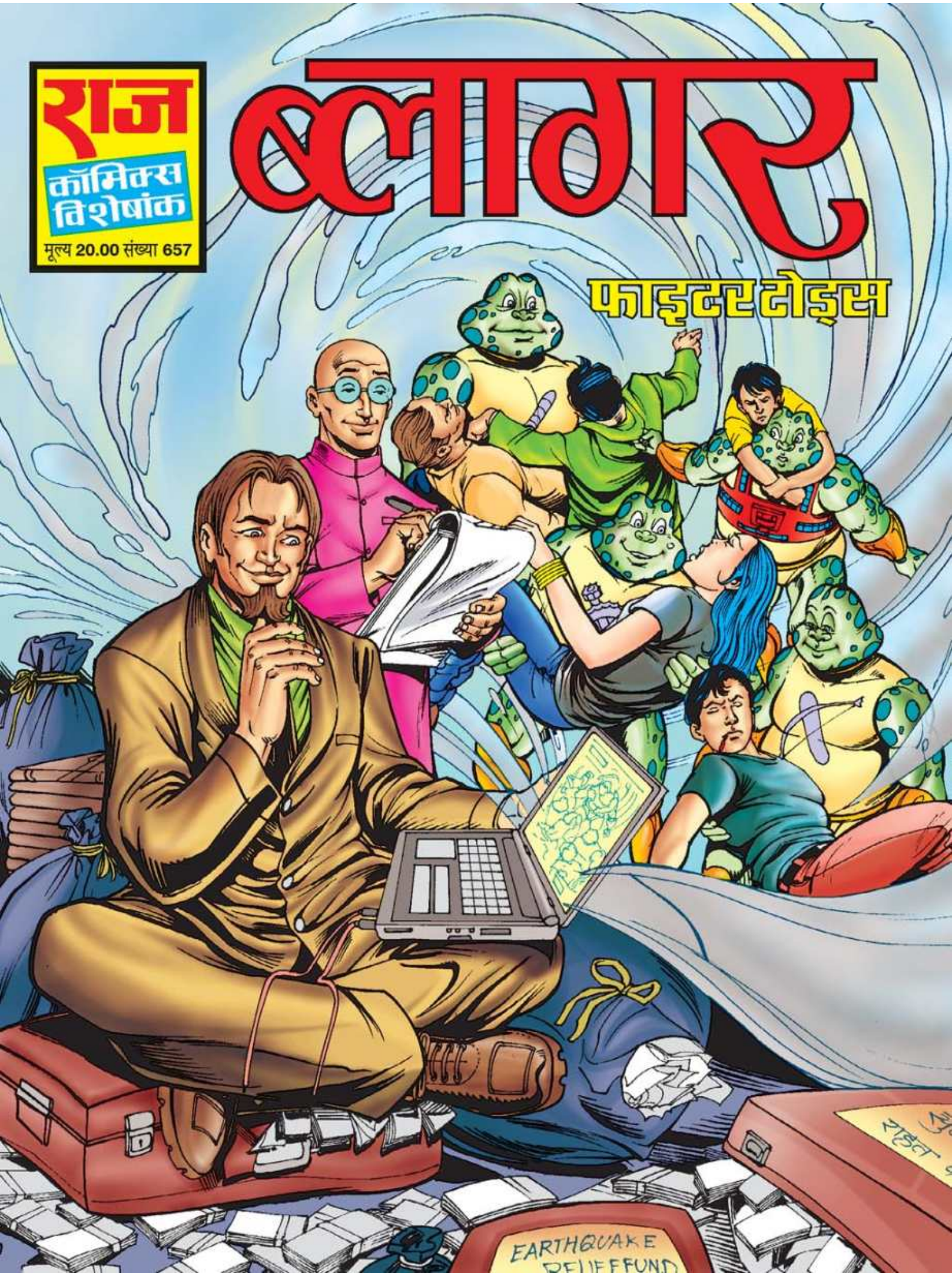
राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 657
ब्लागर
फाइटर टोइस
EARTHQUAKE
RELIEFFUND

संजय गुप्ता पेश करते हैं

ब्लागर

लेखक : तरुण कुमार वाही **परिकल्पना :** विवेक मोहन **पेंसिल :** प्रदीप सहरावत
इंकिंग : वेद प्रकाश खन्तवाल **सुलेख व रंग :** सुनील पाण्डेय **सम्पादक :** मनीष गुप्ता

©RAJA POCKET BOOKS

visit us at: www.rajcomics.com
email: rajcomics2000@yahoo.co.in.

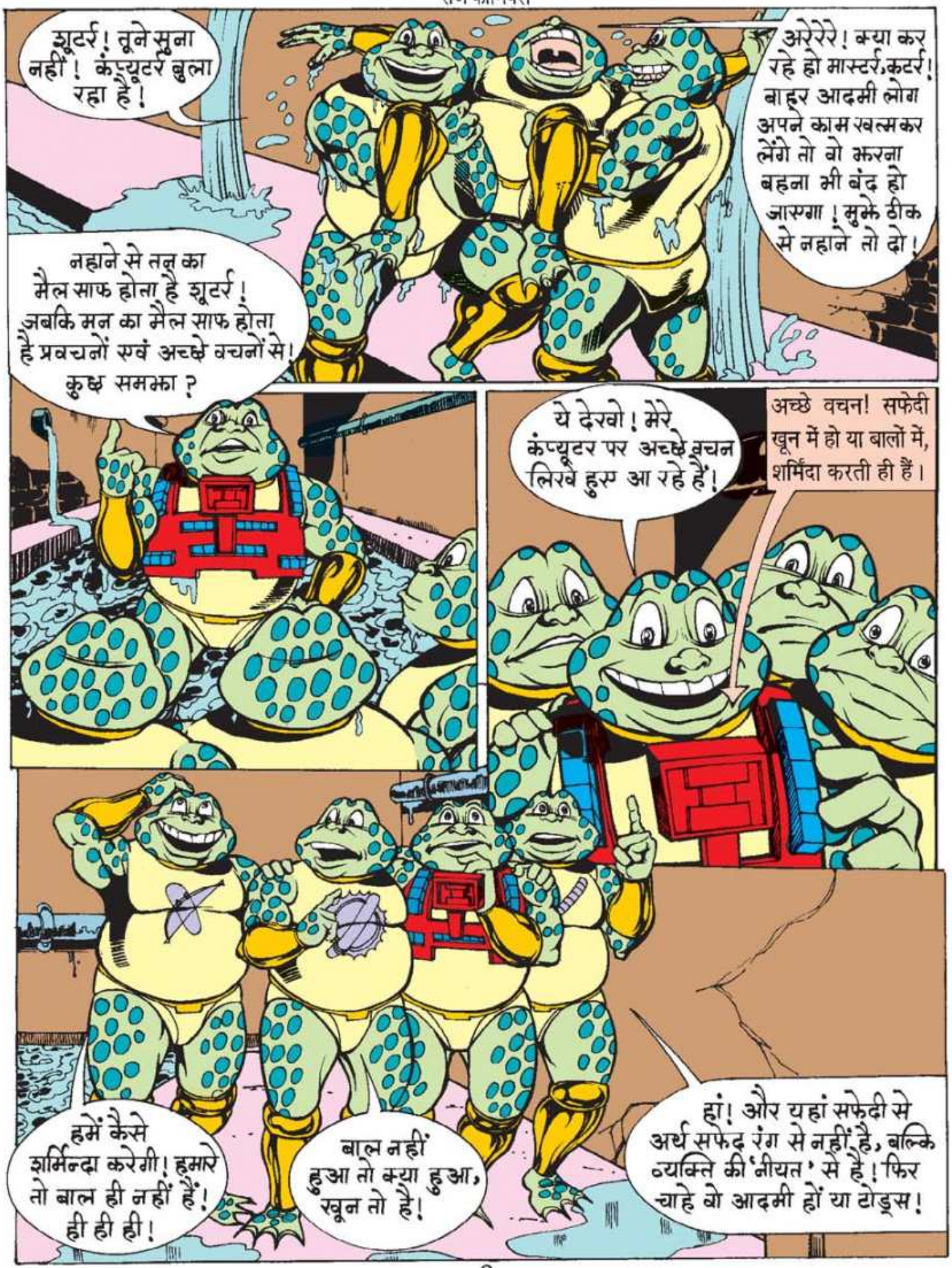
शूटर! तूने सुना नहीं! कंप्यूटर बुला रहा है!
अरेरेरे! क्या कर रहे हो मास्टर,कटर! बाहर आदमी लोग अपने काम खत्म कर लेंगे तो वो झरना बहना भी बंद हो जाएगा! मुझे ठीक से नहाने तो दो!
नहाने से तन का मैल साफ होता है शूटर! जबकि मन का मैल साफ होता है प्रवचनों एवं अच्छे वचनों से! कुछ समझा?
ये देखो! मेरे कंप्यूटर पर अच्छे वचन लिखे हुए आ रहे हैं!
अच्छे वचन! सफेदी खून में हो या बालों में, शर्मिंदा करती ही हैं।
हमें कैसे शर्मिन्दा करेगी! हमारे तो बाल ही नहीं हैं! ही ही ही!
बाल नहीं हुआ तो क्या हुआ, खून तो है!
हां! और यहां सफेदी से अर्थ सफेद रंग से नहीं है, बल्कि व्यक्ति की 'नीयत' से है! फिर चाहे वो आदमी हों या टोडूस!

और देखो! ये क्या लिखा है?
कुएं की तरह सोचो। क्योंकि उसमें गहराई होती है।
हमें कुएं की तरह सोचने की जरूरत नहीं है! क्योंकि हम तो कई बार कुएं में से ही आते-जाते और कुएं में ही सोचते हैं! ही ही ही!
बिल्कुल ठीक! ही ही ही!
गहराई की बातें तुम्हारी समझ में नहीं आ रही कटर्र, शूटर्र!
इसमें ये समझाने की कोशिश की गई है कि जो कुछ भी करो भली प्रकार से सोच समझकर करो!
मक्खी और अहंकार में कोई फर्क नहीं होता। एक खाने पर बैठती है। दूसरा खाने को।
मास्टर्र देख! एक और अच्छी बात!

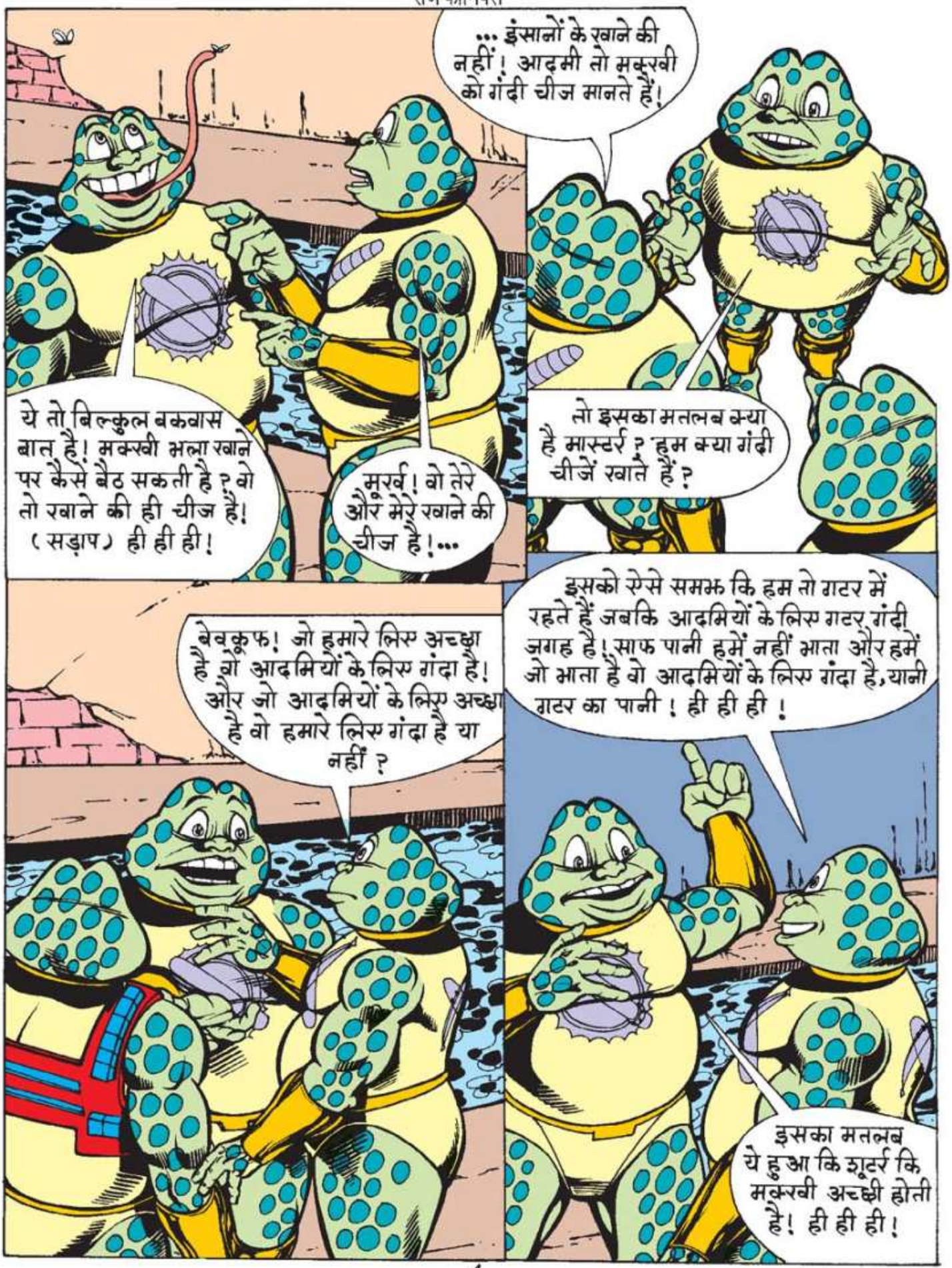
... इंसानों के खाने की नहीं! आदमी तो मक्खी को गंदी चीज मानते हैं!
ये तो बिल्कुल बकवास बात है! मक्खी भला खाने पर कैसे बैठ सकती है? वो तो खाने की ही चीज है! (सड़ाप) ही ही ही!
मूर्ख! वो तेरे और मेरे खाने की चीज है!...
तो इसका मतलब क्या है मास्टर? हम क्या गंदी चीजें खाते हैं?
बेवकूफ! जो हमारे लिए अच्छा है वो आदमियों के लिए गंदा है! और जो आदमियों के लिए अच्छा है वो हमारे लिए गंदा है या नहीं?
इसको ऐसे समझ कि हम तो गटर में रहते हैं जबकि आदमियों के लिए गटर गंदी जगह है! साफ पानी हमें नहीं भाता और हमें जो भाता है वो आदमियों के लिए गंदा है, यानी गटर का पानी! ही ही ही!
इसका मतलब ये हुआ कि शूटर कि मक्खी अच्छी होती है! ही ही ही!

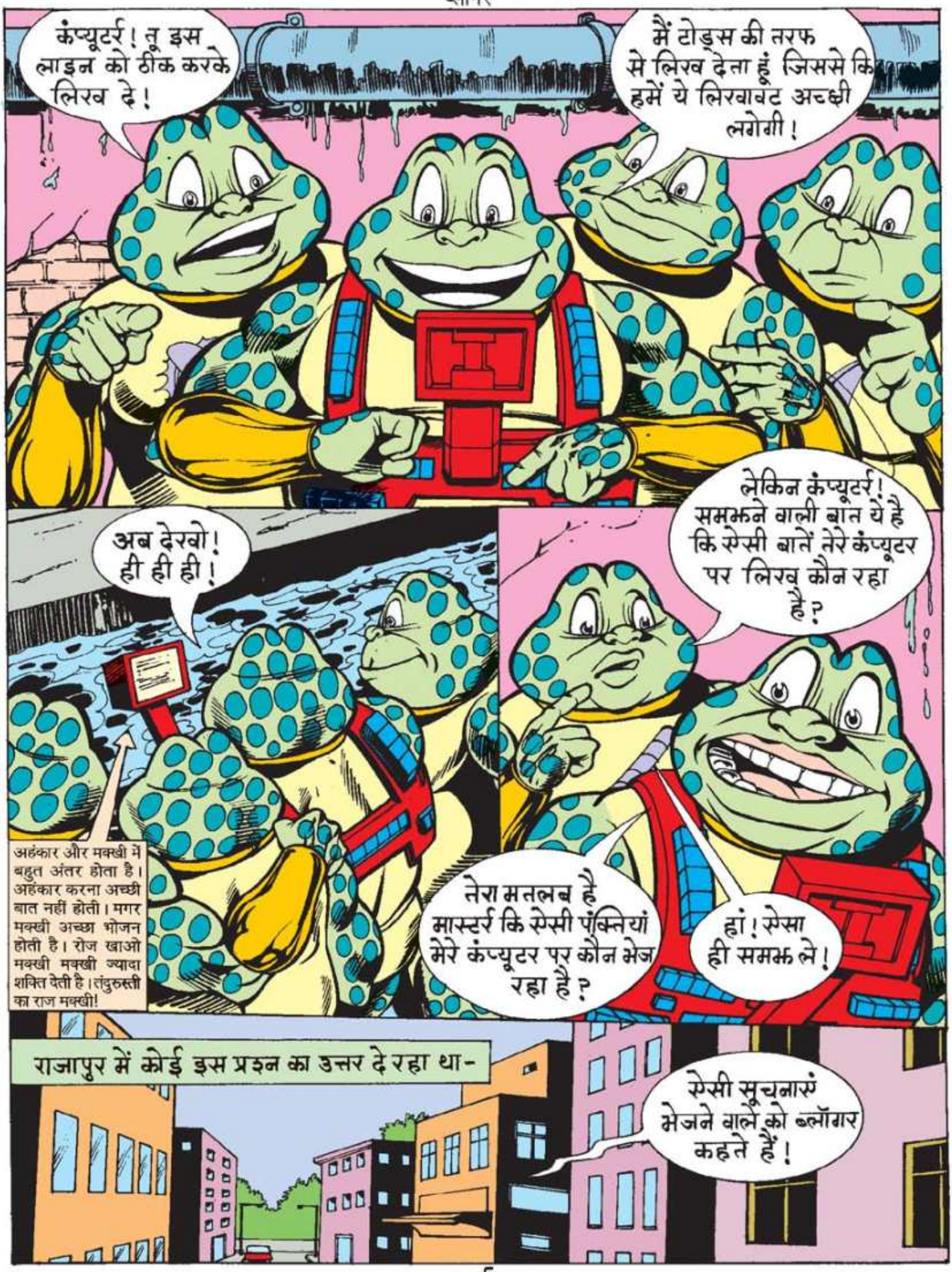
कंप्यूटर्र! तू इस लाइन को ठीक करके लिरव दे!
मैं टोड्स की तरफ से लिरव देता हूं जिससे कि हमें ये लिरवावट अच्छी लगेगी!
अब देखो! ही ही ही!
लेकिन कंप्यूटर्र! समझने वाली बात ये है कि ऐसी बातें तेरे कंप्यूटर पर लिरव कौन रहा है?
अहंकार और मक्खी में बहुत अंतर होता है। अहंकार करना अच्छी बात नहीं होती। मगर मक्खी अच्छा भोजन होती है। रोज खाओ मक्खी मक्खी ज्यादा शक्ति देती है। तंदुरुस्ती का राज मक्खी!
तेरा मतलब है मास्टर्र कि ऐसी पंक्तियां मेरे कंप्यूटर पर कौन भेज रहा है?
हां! ऐसा ही समझ ले!
राजापुर में कोई इस प्रश्न का उत्तर दे रहा था-
ऐसी सूचनाएं भेजने वाले को ब्लॉगर कहते हैं!

होता क्या है हंटर कि हर आदमी के मन में बहुत से विचार आते हैं ! अच्छे भी और बुरे भी ! आते हैं चले जाते हैं ! जबकि उनमें से कुछ विचार ऐसे होते हैं जिन्हें हजारों - लाखों लोगों को जानना चाहिए !
ऐसे विचारों को जानकर और उनको अपनी जिन्दगी में आदर्शों के रूप में अपनाकर वो लोग भी अपना फायदा कर सकते हैं !
ऐसे विचारों का आदान-प्रदान करने वाले 'चिन्तकों' को ही ब्लॉगर्स कहते हैं !
संसार भर में हजारों ब्लॉगर्स हैं ! और सभी के विचार अच्छे हों, ये जरूरी नहीं ! कुछ बकवास ब्लागर्स भी होते हैं जिनकी बातें लोगों के पल्ले नहीं पड़ती ! ऐसे लोगों को सनकी कहते हैं ! ब्लॉगर्स दुनिया भर में घटने वाली त्रासदियों की संवेदनाओं को भी अपने शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं !
ब्लॉगर्स द्वारा भेजा गया ऐसा कोई भी विचार या संदेश 'ब्लॉगस' कहलाता है !
ब्लॉगर्स बहुत ही भावुक और संवेदन-शील होते हैं !
अभी पिछले दिनों की ही बात है ! ही ही ही !

भयंकर सूनामी की घटना में एक युवती ने 'ब्लॉग' भेजा कि उसके पिता का दिया पचास लाख का दहेज सूनामी में बह गया, और अब उसका पति उसको घर से निकालने की धमकी देता है। मेरे पिता भी सूनामी में बह गए। अब उसका क्या होगा? ये ब्लॉग पढ़कर एक अमेरिकी बेवकूफ ने उसको एक करोड़ का चैक दहेज खरीदने को भेज दिया!
एक करोड़ का चैक?
हां! और इसी खबर से मुझे भी ब्लॉगर बनने का आइडिया आ गया! ही ही ही!
ब्लॉग्स में इमोशन्स का होना बहुत जरूरी होता है! मैंने पहला ब्लॉग भेजा कि कल मेरी शराब की बोतल हाथ से छूटकर टूट गई और शराब के बिना मुझे रातों को नींद नहीं आती! नींद न आने से मैं दिन भर सोता रहता हूं और काम नहीं कर पाता! काम नहीं करूंगा तो खाऊंगा कहां से! बहूहू!
मैं सोच रहा था सहानुभूतिवश लोग मुझे करोड़ों के चैक भेजेंगे जिनसे मैं शराब की फैक्टरी लगाऊंगा! मगर लोगों ने मुझे भेजीं लानतें! बहूहू!
कमी थी सही ब्लॉग रचने की!
और उसके लिए जरूरत थी एक लेखक दिमाग की!

इसलिए तुमने मुझे नौकरी पर रखा, क्योंकि मैं हूं एक राइटर !
पर तुमने हमको क्यों रखा ब्लॉगर बॉस ?
तुमको ?
क्या तुम्हें अपने नामों से पता नहीं लगा हंटर, पीटर, फाइटर ! ही ही ही !
मेरे काम में तुम लोगों की जरूरत कभी भी पड़ सकती है !
और देखो ! राइटर ने लिखा एक इमोशनल ब्लॉग, जिसको पढ़कर दुनिया भर से मुझे मिल रहे हैं डालर्स, पाँडस, रूबल, फ्रैंक व चैक्स ! अभी तक हम गिन भी नहीं पाए ! ही ही ही !
पर राइटर ने इस बार ऐसा कौन सा ब्लॉग लिखा था जिसको पढ़कर लोगों की दरियादिली बह निकली ?
मैंने लिखा था कि इंसानों की मौत पर उनका अंतिम संस्कार उनके रिश्तेदार करते हैं ! जबकि पशुओं के शव सड़कों पर पड़े सड़ते रहते हैं ! उनको पड़े सड़ते देखते रहना इंसानियत नहीं हो सकती ! काश मैं ऐसी संस्था बना पाता जो पशुओं का भी अंतिम संस्कार करती तो उनकी आत्माओं को भी शांति व मुक्ति मिलती और हमको उनका पुण्य ! फिलहाल शहर के पचास कुत्तों का अंतिम संस्कार करना है ! क्या आप भी इस पुण्य के भागीदार बनना चाहेंगे ? बस थोड़े से नोट भेजने से भी हमारा काम चल जाएगा !

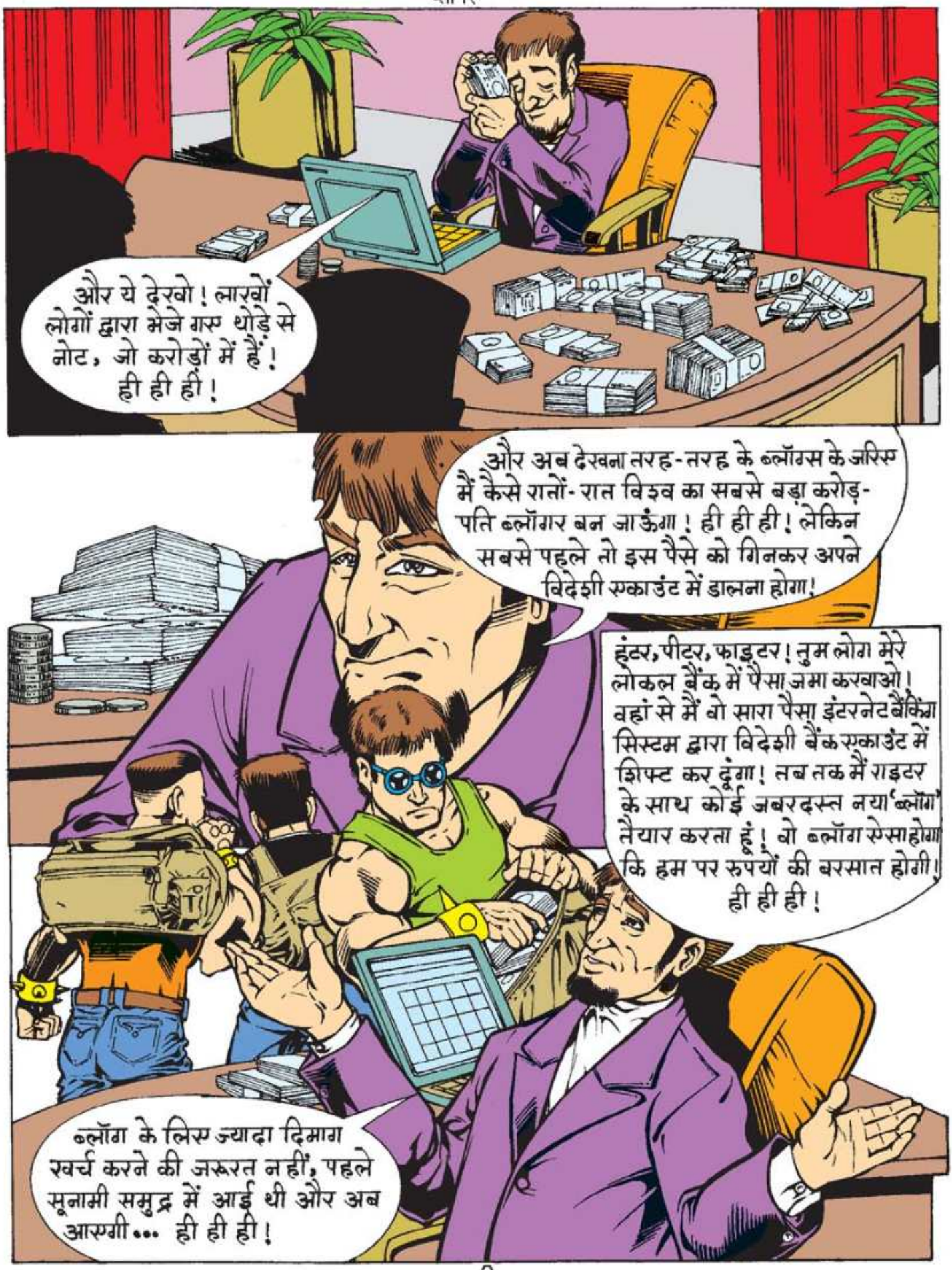
और ये देखो! लाखों लोगों द्वारा भेजे गए थोड़े से नोट, जो करोड़ों में हैं! ही ही ही!
और अब देखना तरह-तरह के ब्लॉग्स के जरिए मैं कैसे रातों-रात विश्व का सबसे बड़ा करोड़-पति ब्लॉगर बन जाऊँगा! ही ही ही! लेकिन सबसे पहले तो इस पैसे को गिनकर अपने विदेशी एकाउंट में डालना होगा!
हंटर, पीटर, फाइटर! तुम लोग मेरे लोकल बैंक में पैसा जमा करवाओ! वहां से मैं वो सारा पैसा इंटरनेट बैंकिंग सिस्टम द्वारा विदेशी बैंक एकाउंट में शिफ्ट कर दूंगा! तब तक मैं राइटर के साथ कोई जबरदस्त नया 'ब्लॉग' तैयार करता हूं! वो ब्लॉग ऐसा होगा कि हम पर रुपयों की बरसात होगी! ही ही ही!
ब्लॉग के लिए ज्यादा दिमाग खर्च करने की जरूरत नहीं, पहले सूनामी समुद्र में आई थी और अब आएगी... ही ही ही!

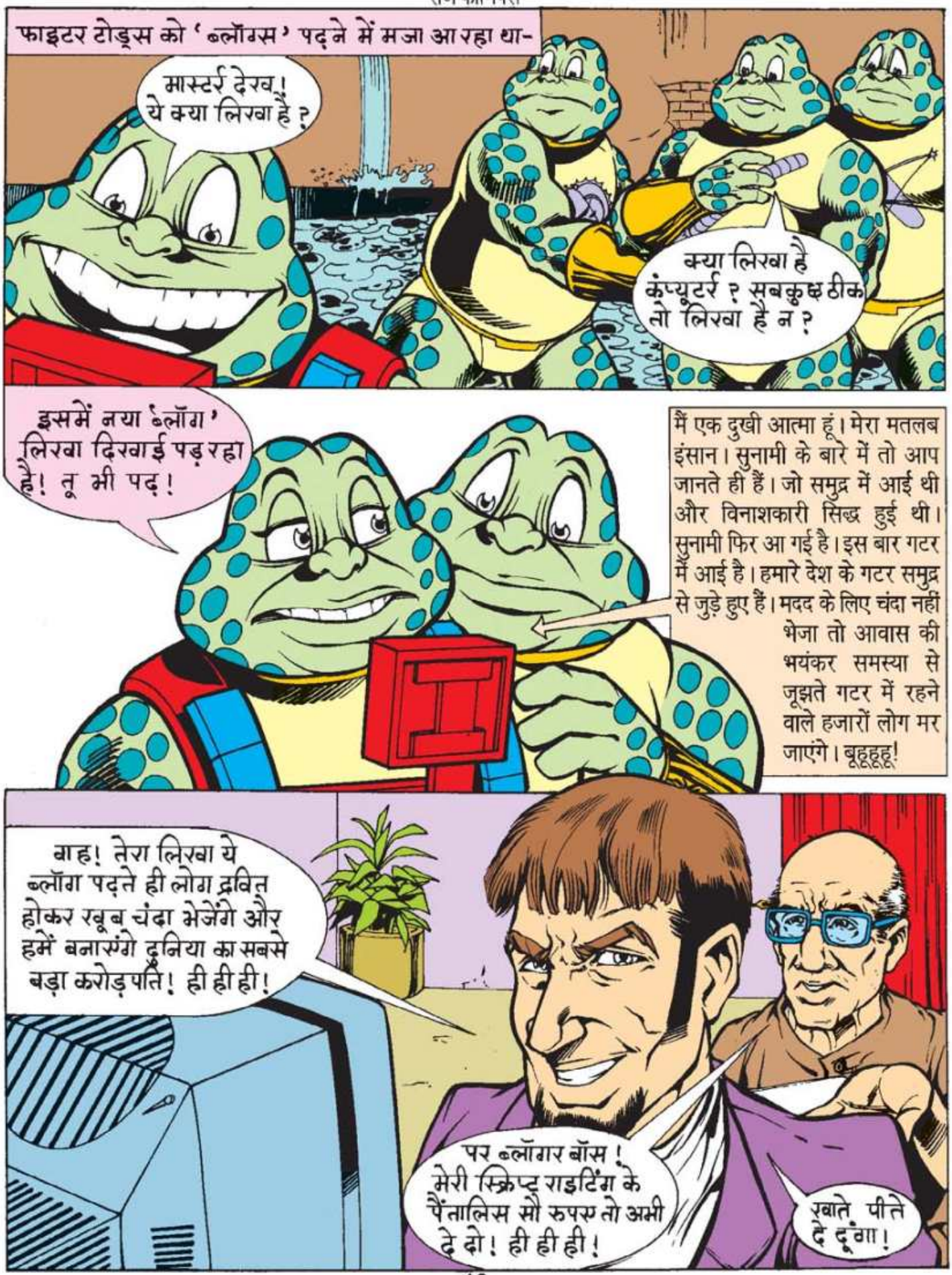
फाइटर टोड्स को 'ब्लॉग्स' पढ़ने में मजा आ रहा था-
मास्टर्र देरव! ये क्या लिरवा है ?
क्या लिरवा है कंप्यूटर्र ? सबकुछ ठीक तो लिरवा है न ?
इसमें नया 'ब्लॉग' लिरवा दिरवाई पड़ रहा है! तू भी पढ़!
मैं एक दुखी आत्मा हूं। मेरा मतलब इंसान। सुनामी के बारे में तो आप जानते ही हैं। जो समुद्र में आई थी और विनाशकारी सिद्ध हुई थी। सुनामी फिर आ गई है। इस बार गटर में आई है। हमारे देश के गटर समुद्र से जुड़े हुए हैं। मदद के लिए चंदा नहीं भेजा तो आवास की भयंकर समस्या से जूझते गटर में रहने वाले हजारों लोग मर जाएंगे। बूहूहूहू!
वाह! तेरा लिरवा ये ब्लॉग पढ़ते ही लोग द्रवित होकर खूब चंदा भेजेंगे और हमें बनाएंगे दुनिया का सबसे बड़ा करोड़पति! ही ही ही!
पर ब्लॉगर बॉस! मेरी स्क्रिप्ट राइटिंग के पैंतालिस सौ रुपए तो अभी दे दो! ही ही ही!
खाते पीते दे दूंगा!

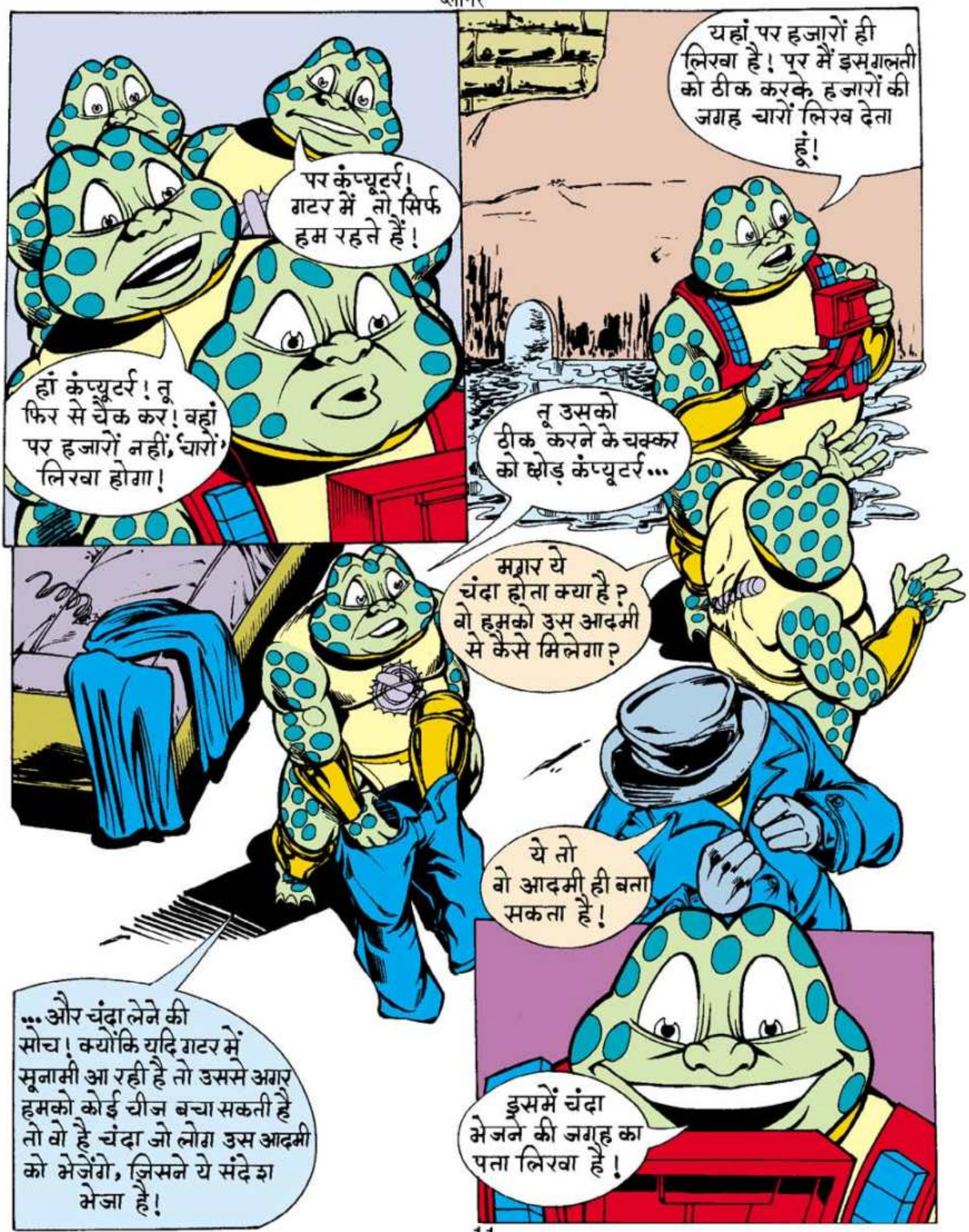
पर कंप्यूटर! गटर में तो सिर्फ हम रहते हैं!
हां कंप्यूटर! तू फिर से चैक कर! वहां पर हजारों नहीं, चारों लिरवा होगा!
यहां पर हजारों ही लिरवा है! पर मैं इस गलती को ठीक करके हजारों की जगह चारों लिरव देता हूं!
तू उसको ठीक करने के चक्कर को छोड़ कंप्यूटर...
मगर ये चंदा होता क्या है? वो हमको उस आदमी से कैसे मिलेगा?
ये तो वो आदमी ही बता सकता है!
इसमें चंदा भेजने की जगह का पता लिरवा है!
...और चंदा लेने की सोच! क्योंकि यदि गटर में सूनामी आ रही है तो उससे अगर हमको कोई चीज बचा सकती है तो वो है चंदा जो लोग उस आदमी को भेजेंगे, जिसने ये संदेश भेजा है!

मैंने अपने कंप्यूटर पर राजापुर के नक्शे में उस जगह का पता लगा लिया है!
तो फिर चलो गटर-गटर!
फिलहाल तो टोड्स आ पहुंचे थे-
ब्लॉगर की खुशी गले तक आ पहुंची थी-
ब्लॉगर! ये कौन हैं?
ये चारों कौन हैं?
इंटरनेट बैंकिंग के जरिए चंदा मेरे एकाउंट में पहुंचना भी शुरू हो गया है!
और डाक या कूरियर से चैक्स, डॉलर्स, पाउंड्स इत्यादि भी बस यहां पहुंचते ही होंगे!

क्या पता सीधे-सीधे ही चंदा देने आ गए हों!
हम राजापुर के गटर से आए हैं!
मैंने वो ब्लॉग्स हिन्दुस्तान के किसी शहर में तो भेजा ही नहीं था! और चंदा देने इतनी जल्दी तो कोई सिर्फ राजापुर से ही आ सकता है!
तूने हमारी जानें गटर में आई सूनामी से बचाने के लिए लोगों से चंदा मंगाया है! वो हमें दे!
क्योंकि यदि तू हमें चंदा नहीं देगा तो हमारी जानें नहीं बचेंगी! ऐसा तूने ही लिखा था! तू ही है न वो ब्लॉगर?
तू भी कंप्यूटर आते ही चंदा मांगने लगा! पहले हमें इनका धन्यवाद तो कर लेने दे कि इसने हमारी जानें बचाने के बारे में सोचा!
तुम सबका धन्यवाद!

कौन हो तुम चारों ?
मास्टर्र ! ये तो पिस्तौल दिखवा रहा है ! मैं भी इसको तलवार दिखाऊँ क्या ?
नहीं ! अभी रुक जा ! जल्दी मत कर कटर्र !
हम यहां कोई दंगा करने नहीं, बल्कि चंदा लेने आए हैं, और चंदा लेकर चुपचाप चले जाएंगे !
हंटर, पीटर, फाइटर ! इनको चंदा दे दो !
मास्टर्र ! ये तो हम पर हमला कर रहे हैं !
हम तो शराफत से चंदा लेने आए थे !

तो फिर मैं बोलता हूं... टोड्स एक्शन!
ये... ये तो आदमी नहीं हैं ब्लॉगर बॉस!
ये तो मेंढक हैं!
तड़ाक
टोड्स नहीं मास्टर, पूरा फाइटर टोड्स बोल!
मेंढक नहीं, टोड्स बोल!
ये असली टोड नहीं हो सकते ब्लॉगर बॉस! टोड इतने बड़े व समझदार नहीं होते!

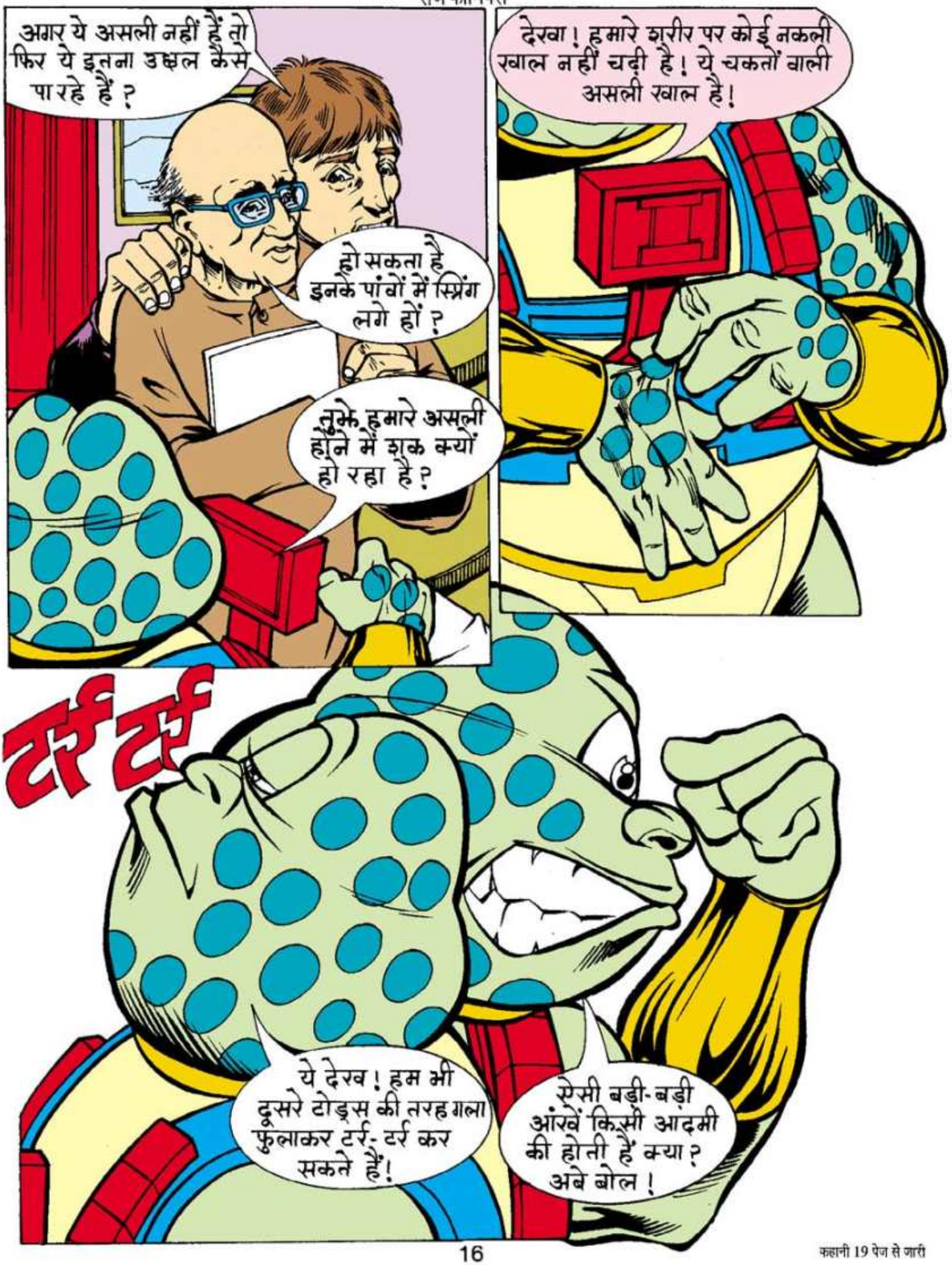
अगर ये असली नहीं हैं तो फिर ये इतना उछल कैसे पा रहे हैं ?
हो सकता है इनके पांवों में स्प्रिंग लगे हों ?
तुम्हे हमारे असली होने में शक क्यों हो रहा है ?
देखा ! हमारे शरीर पर कोई नकली खाल नहीं चढ़ी है ! ये चकतों वाली असली खाल है !
टर्र टर्र
ये देख ! हम भी दूसरे टोड्स की तरह गला फुलाकर टर्र- टर्र कर सकते हैं !
ऐसी बड़ी-बड़ी आंखें किसी आदमी की होती हैं क्या ? अबे बोल !

कहानी 19 पेज से जारी

हमको टोड देव ने मानवों की सहायता व अपराध उन्मूलन के लिए भेजा है!
इसलिए हमारा बचना बहुत जरूरी है! और हम तब तक नहीं बचेंगे जब तक तू हमें लोगों द्वारा भेजा हुआ चंदा नहीं देगा! तूने ही ऐसा संदेश कंप्यूटर पर भेजा था कि गटर में भयंकर सूनामी आ गई है, और अब हम चारों लोगों को बचाने का एक ही रास्ता है! चंदा! अब तो तुझे हमको चंदा देना ही पड़ेगा!
ब्लॉगर बॉस! इनको चंदा न दिया तो ये हमारी आत्माओं को चांद पर पहुंचा देंगे!
तेरी बात सुनकर मुझे इन आफतों से बचने का आइडिया आ गया है राइटर!

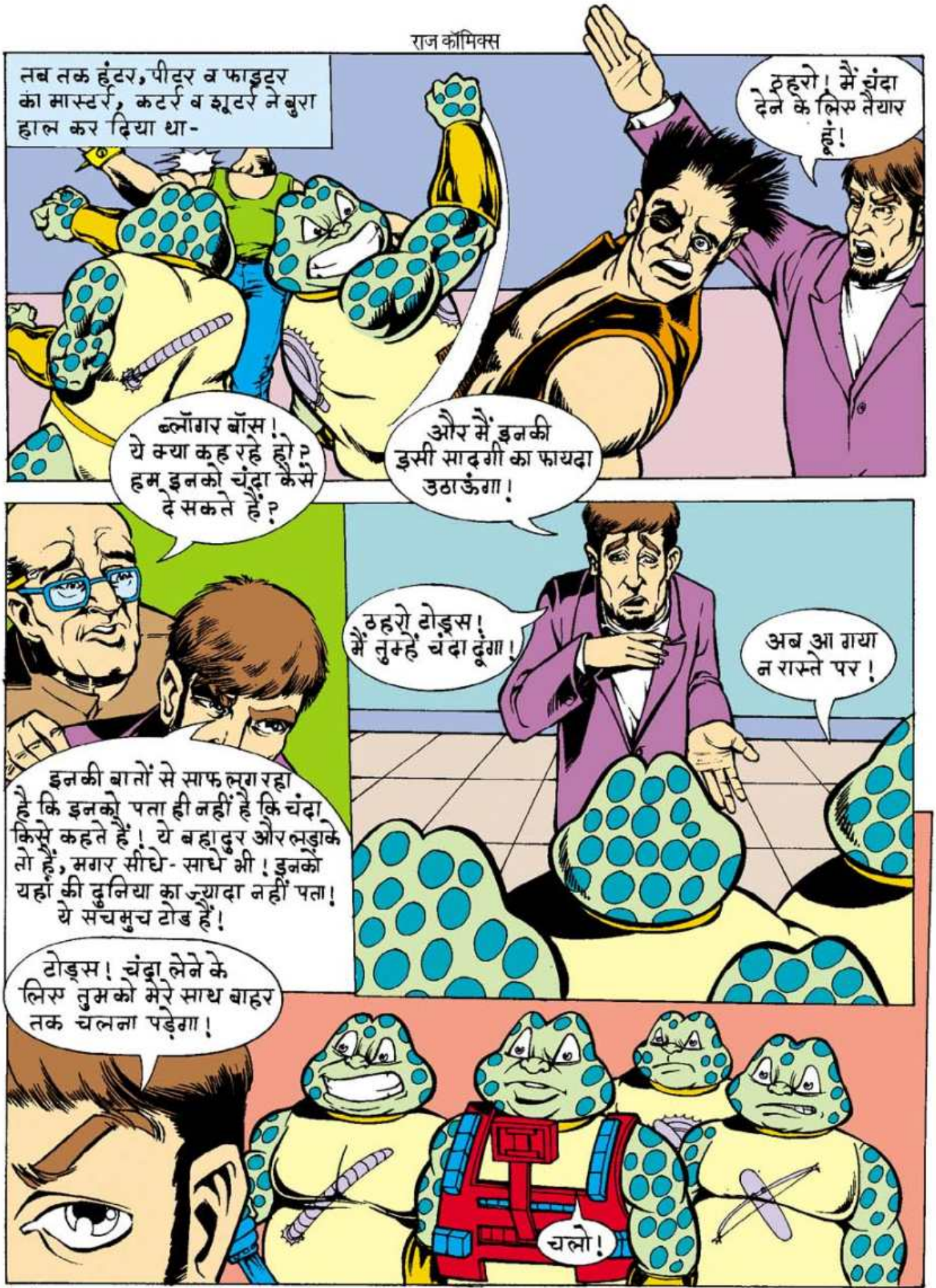
तब तक हंटर, पीटर व फाइटर को मास्टर, कटर व शूटर ने बुरा हाल कर दिया था-
ठहरो! मैं चंदा देने के लिए तैयार हूं!
ब्लॉगर बॉस! ये क्या कह रहे हो? हम इनको चंदा कैसे दे सकते हैं?
और मैं इनकी इसी सादगी का फायदा उठाऊंगा!
ठहरो टोड्स! मैं तुम्हें चंदा दूंगा!
अब आ गया न रास्ते पर!
इनकी बातों से साफ लग रहा है कि इनको पता ही नहीं है कि चंदा किसे कहते हैं! ये बहादुर और लड़ाके तो हैं, मगर सीधे-साधे भी! इनको यहां की दुनिया का ज्यादा नहीं पता! ये सचमुच टोड हैं!
टोड्स! चंदा लेने के लिए तुमको मेरे साथ बाहर तक चलना पड़ेगा!
चलो!

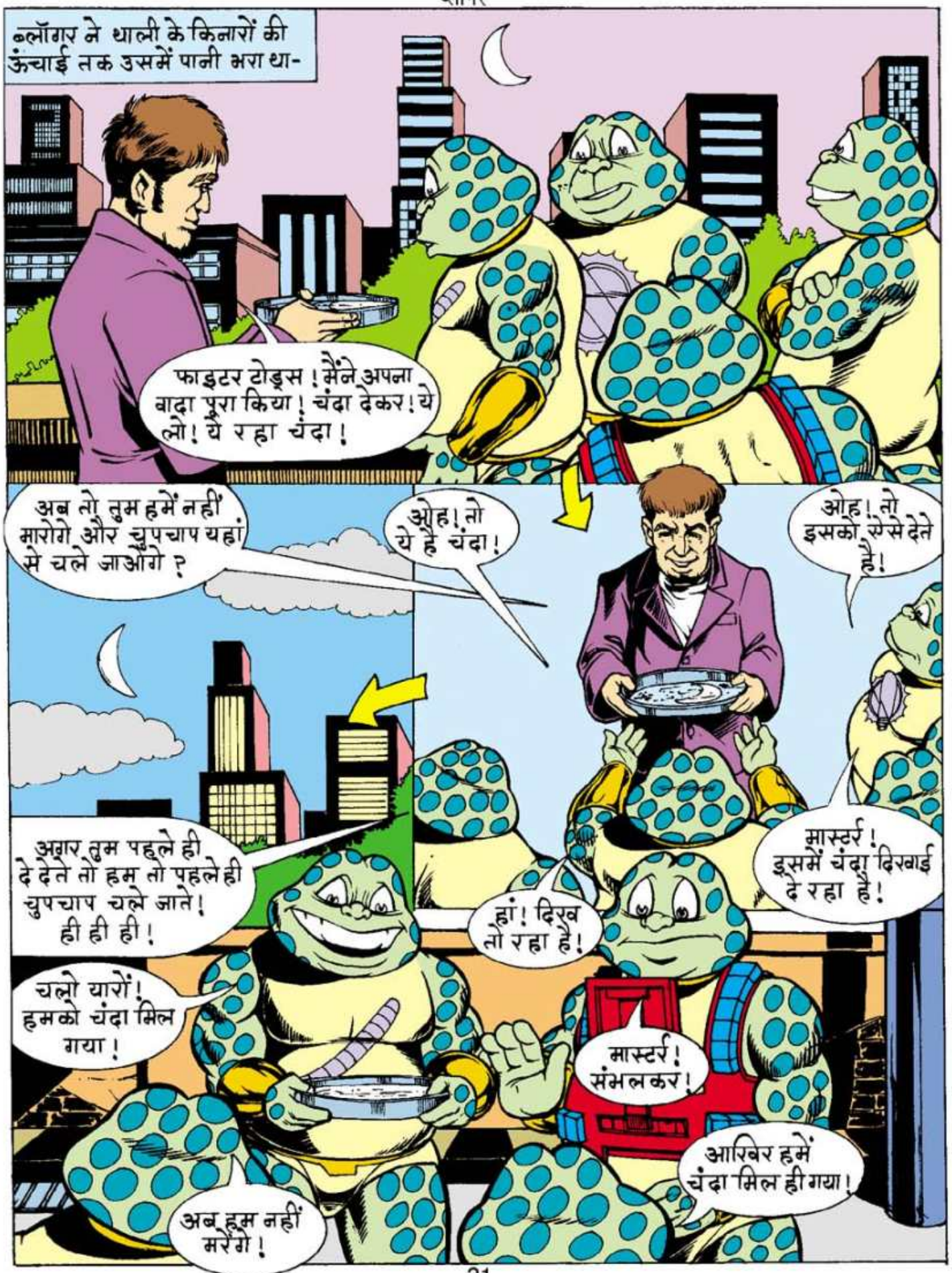
ब्लॉगर ने थाली के किनारों की ऊंचाई तक उसमें पानी भरा था-
फाइटर टोड्स ! मैंने अपना वादा पूरा किया ! चंदा देकर ! ये लो ! ये रहा चंदा !
अब तो तुम हमें नहीं मारोगे और चुपचाप यहां से चले जाओगे ?
ओह ! तो ये है चंदा !
ओह ! तो इसको ऐसे देते है !
अगर तुम पहले ही दे देते तो हम तो पहले ही चुपचाप चले जाते ! ही ही ही !
मास्टर्र ! इसमें चंदा दिखाई दे रहा है !
हां ! दिख तो रहा है !
चलो यारों ! हमको चंदा मिल गया !
मास्टर्र ! संभलकर !
आखिर हमें चंदा मिल ही गया !
अब हम नहीं मरेंगे !

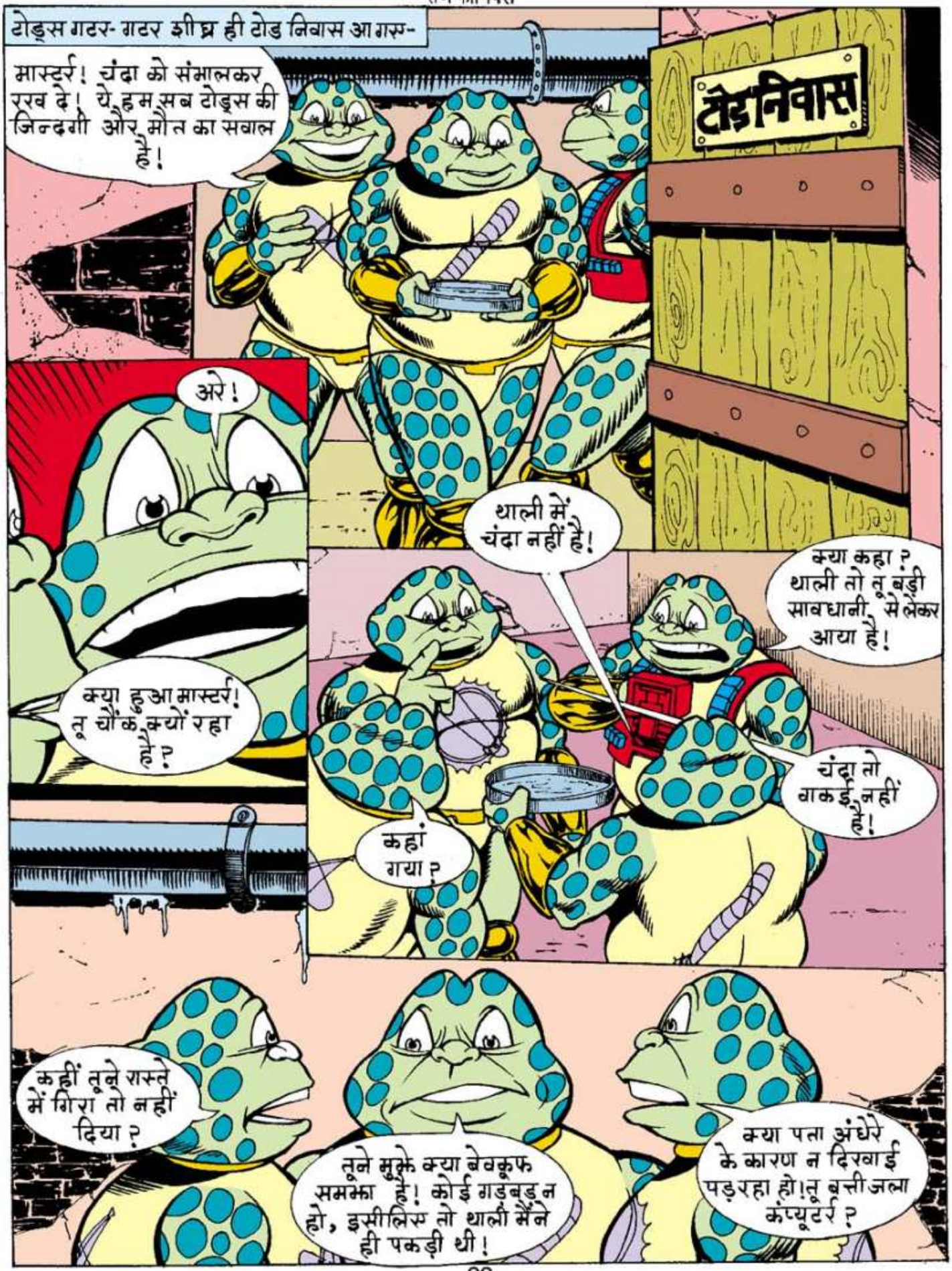
टोड्स गटर- गटर शीघ्र ही टोड निवास आ गस्-
मास्टर्र! चंदा को संभालकर रख दे! ये हम सब टोड्स की जिन्दगी और मौत का सवाल है!
टोड निवास
अरे!
थाली में चंदा नहीं है!
क्या कहा? थाली तो तू बड़ी सावधानी से लेकर आया है!
क्या हुआ मास्टर्र! तू चौंक क्यों रहा है?
चंदा तो वाकई नहीं है!
कहां गया?
कहीं तूने रास्ते में गिरा तो नहीं दिया?
तूने मुझे क्या बेवकूफ समझा है! कोई गड़बड़ न हो, इसीलिए तो थाली मैंने ही पकड़ी थी!
क्या पता अंधेरे के कारण न दिखाई पड़ रहा हो! तू बत्ती जला कंप्यूटर?

कंप्यूटर्र ने तुरंत 'ऑन' किया बल्ब-
बत्ती जलने पर भी नहीं दिख रहा! बहूहू हू!
मुझे तो इसमें उसी ब्लॉगर की कोई चाल लग रही है!
चलो वापस चलकर उससे पूछते हैं!
ब्लॉगर के चेहरे की खुशी बढ़ती जा रही थी-
डाक से करोड़ों रुपयों का चंदा फैक्स व करैंसी के रूप में आ रहा है! ही ही ही!
पर तुमने उन मेंढकों को खूब बुद्धू बनाया ब्लॉगर बॉस! उन्हें थाली में चंदा पकड़ा दिया! ही ही ही!
हां जब वो गटर में घुसेंगे तो आकाश से थाली के पानी में पड़ रही चंदा की 'इमेज' गायब हो जाएगी! तब आएगा मजा! हीहीही!
बेवकूफ तो सारी दुनिया बन रही है! गटर में झूठी सूनामी की खबर से चंदे के रूप में हमको लाखों रुपए भेजकर! ही ही ही!
भला कहीं गटर में भी सूनामी आती है! ही हीही!

सूनामी एक तरहका समुद्री तूफान होता है जो गटर में तो नहीं आया, मगर अब यहां आएगा धोखेबाज!
टोड्स एक्शन!
हंटर, पीटर, फाइटर, राइटर! मैं तुम्हारा बॉस हूं! मुझे पिटने क्यों दे रहे हो?
ये फाइट तो एकदम गलत है!

मास्टर्र की मार खाकर ब्लॉगर कटर्र के पास जाकर गिरा-
लड़ाई-लड़ाई माफ करो!
मास्टर्र! ये माफी मांग रहा है!
इनका अपराध माफी के नहीं, सजा के काबिल है!
सुन लिया मास्टर्र!
धाड़
ये फाइट एकदम गलत है!
लड़ाई रोको!
हम लड़ाई क्यों रोकें?
क्योंकि ये लड़ाई पुरानी और घिसी-पिटी है! मुझे कोई नया फाइट सीक्वेंस लिखने दो! बस दो- चार मिनट में फाइट स्क्रिप्ट लिख दूंगा जिससे कि फाइट करने में मजा आएगा!

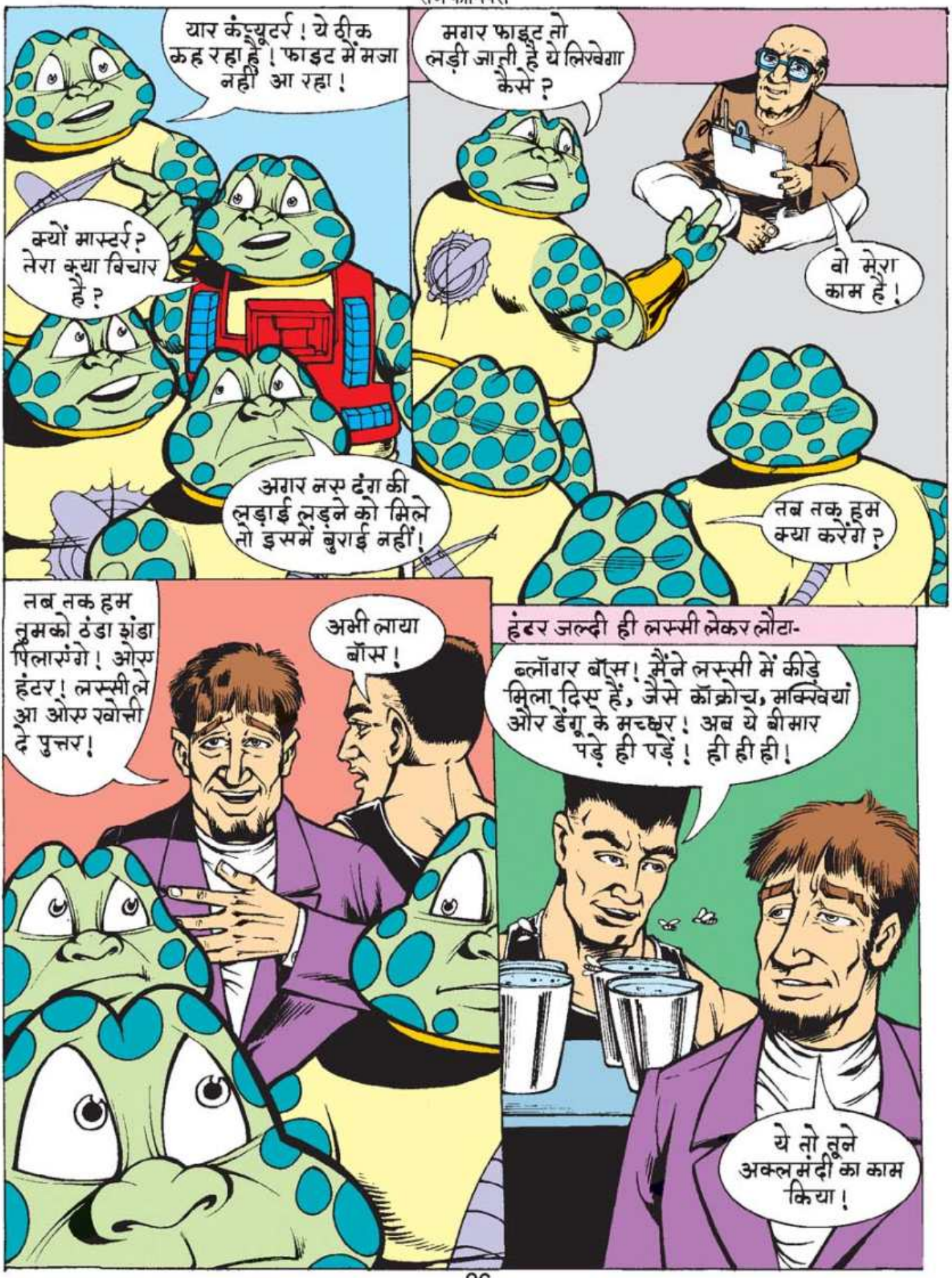
यार कंप्यूटर ! ये ठीक कह रहा है ! फाइट में मजा नहीं आ रहा !
मगर फाइट तो लड़ी जाती है ये लिखेगा कैसे ?
क्यों मास्टर ? तेरा क्या विचार है ?
वो मेरा काम है !
अगर नस्र देश की लड़ाई लड़ने को मिले तो इसमें बुराई नहीं !
तब तक हम क्या करेंगे ?
तब तक हम तुमको ठंडा शंडा पिलायेंगे ! ओए हंटर ! लस्सी ले आ ओए खोत्ती दे पुत्तर !
अभी लाया बॉस !
हंटर जल्दी ही लस्सी लेकर लौटा-
ब्लॉगर बॉस ! मैंने लस्सी में कीड़े मिला दिए हैं, जैसे कॉक्रोच, मक्खियां और डेंगू के मच्छर ! अब ये बीमार पड़े ही पड़ें ! ही ही ही !
ये तो तूने अक्लमंदी का काम किया !

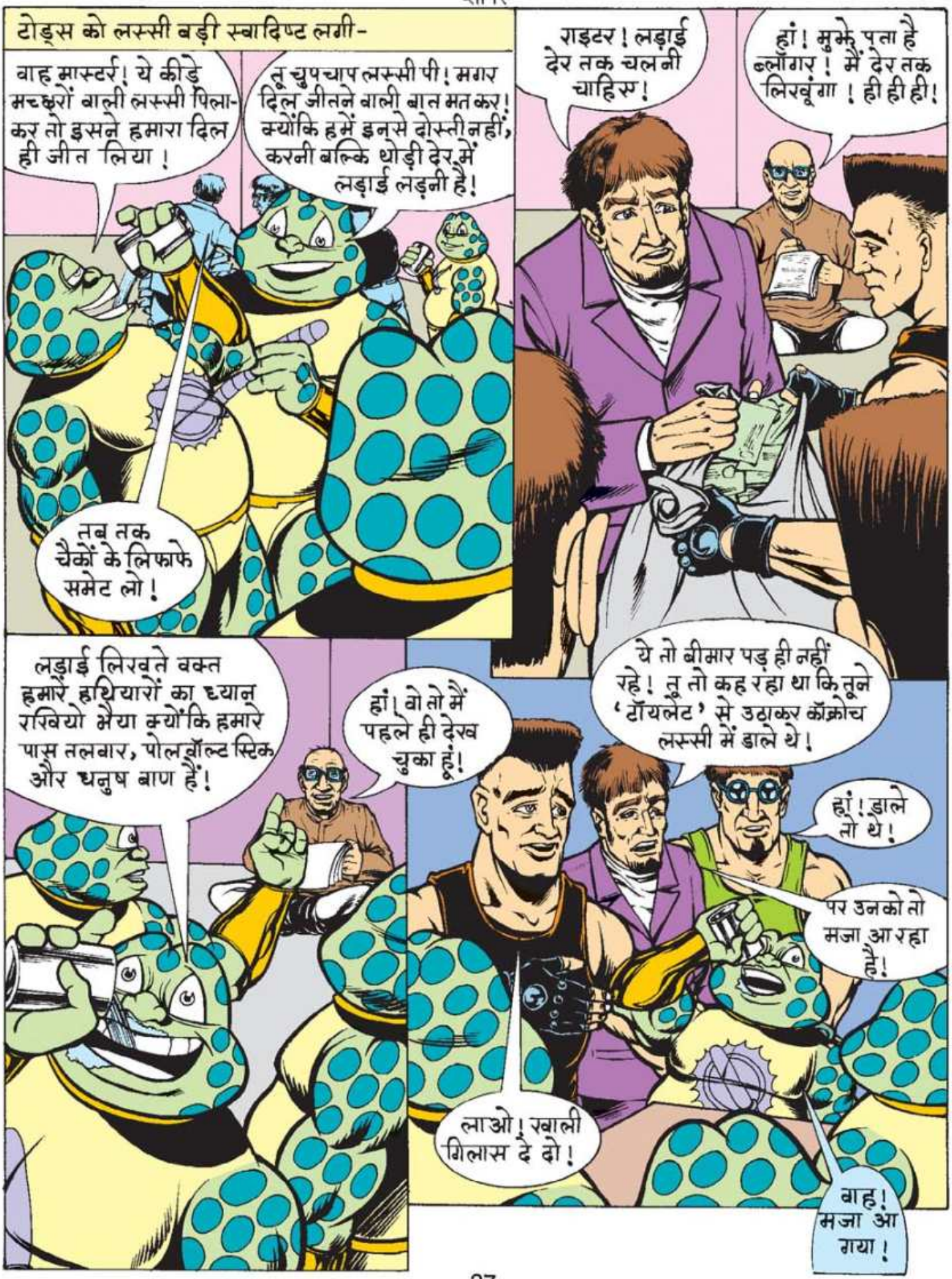
टोड्स को लस्सी बड़ी स्वादिष्ट लगी-
वाह मास्टर्र! ये कीड़े मच्छरों वाली लस्सी पिला-कर तो इसने हमारा दिल ही जीत लिया!
तू चुपचाप लस्सी पी! मगर दिल जीतने वाली बात मत कर! क्योंकि हमें इनसे दोस्ती नहीं, करनी बल्कि थोड़ी देर में लड़ाई लड़नी है!
तब तक चैकों के लिफाफे समेट लो!
राइटर! लड़ाई देर तक चलनी चाहिए!
हां! मुझे पता है ब्लॉगर! मैं देर तक लिखूंगा! ही ही ही!
ये तो बीमार पड़ ही नहीं रहे! तू तो कह रहा था कि तूने 'टॉयलेट' से उठाकर कॉक्रोच लस्सी में डाले थे!
हां! डाले तो थे!
पर उनको तो मजा आ रहा है!
लाओ! खाली गिलास दे दो!
वाह! मजा आ गया!
लड़ाई लिखते वक्त हमारे हथियारों का ध्यान रखियो भैया क्योंकि हमारे पास तलवार, पोलवॉल्ट स्टिक और धनुष बाण हैं!
हां! वो तो मैं पहले ही देख चुका हूं!

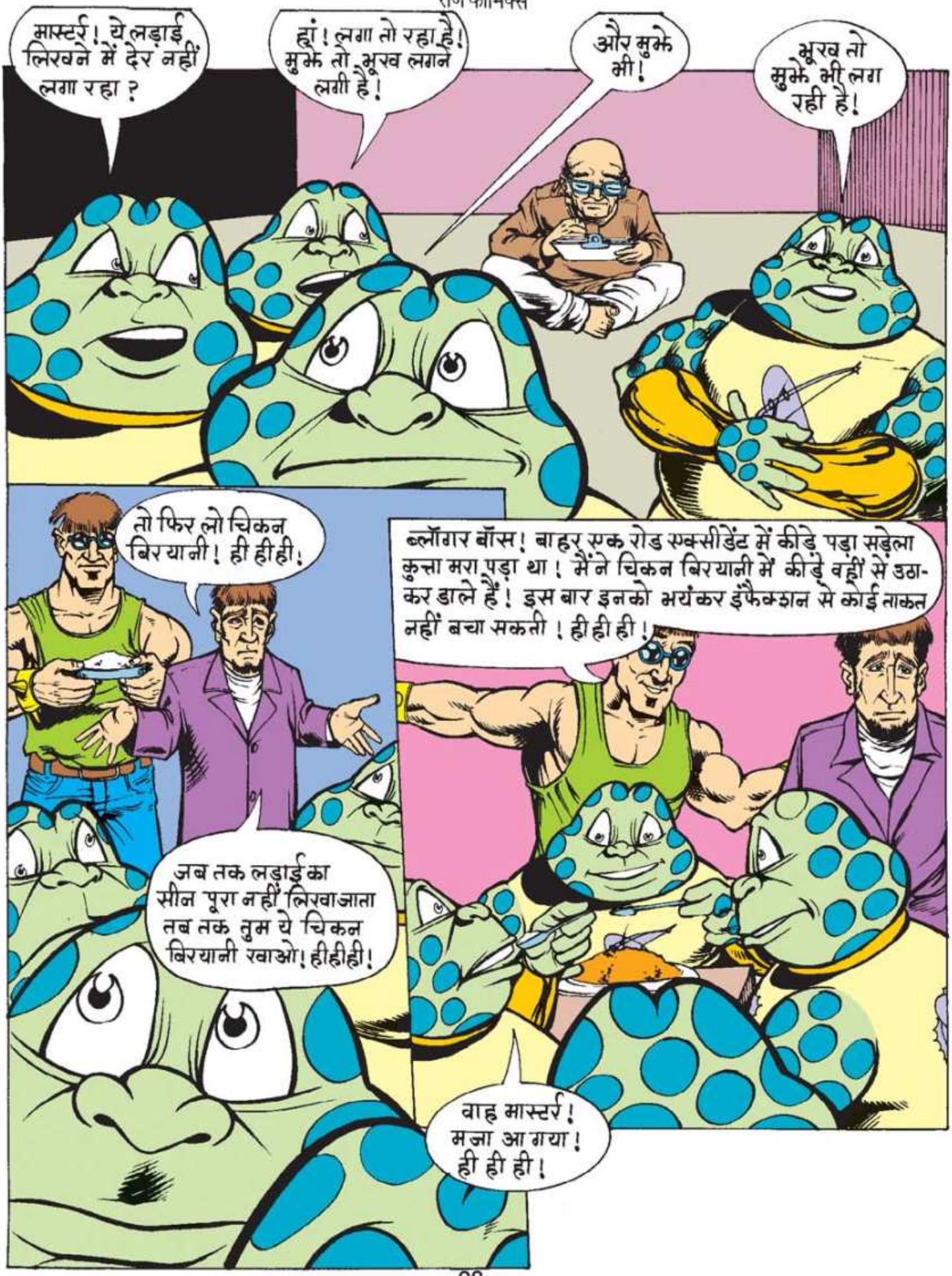
मास्टर्र ! ये लड़ाई लिखने में देर नहीं लगा रहा ?
हां ! लगा तो रहा है ! मुझे तो भूख लगने लगी है !
और मुझे भी !
भूख तो मुझे भी लग रही है !
तो फिर लो चिकन बिरयानी ! ही ही ही !
ब्लॉगर बॉस ! बाहर एक रोड एक्सीडेंट में कीड़े पड़ा सड़ेला कुत्ता मरा पड़ा था ! मैंने चिकन बिरयानी में कीड़े वहीं से उठा-कर डाले हैं ! इस बार इनको भयंकर इंफैक्शन से कोई ताकत नहीं बचा सकती ! ही ही ही !
जब तक लड़ाई का सीन पूरा नहीं लिखवाजाता तब तक तुम ये चिकन बिरयानी खाओ ! हीहीही !
वाह मास्टर्र ! मजा आ गया ! ही ही ही !

इसमें से कीड़ों के मजेदार टेस्ट का स्वाद आ रहा है!
और खुशबू भी तो! ही ही ही!
ब्लॉगर बॉस! करेंसी व चैकों के भरे सभी लिफाफे बोरों में भर लिए हैं, मगर चैक अभी भी आ रहे हैं! क्या करें? यहां से चले गए तो इन चैकों व करेंसी को कौन संभालेगा?
फाइटर टोड्स नाम की मुसीबत से पीछा छुड़ाना ही होगा!
राइटर के बच्चे! तेरा फाइट सीक्वेंस पूरा लिखा गया कि नहीं!
तुम कहो तो अभी पूरा कर दूं! वरना पूरी रात भी लगा दूंगा! जैसा कहो!
अभी खत्म कर!
फाइटर टोड्स! फाइट सीन पूरा लिखा जा चुका है!
बर्र्र
डकार
ओऽऽम बर्र्र

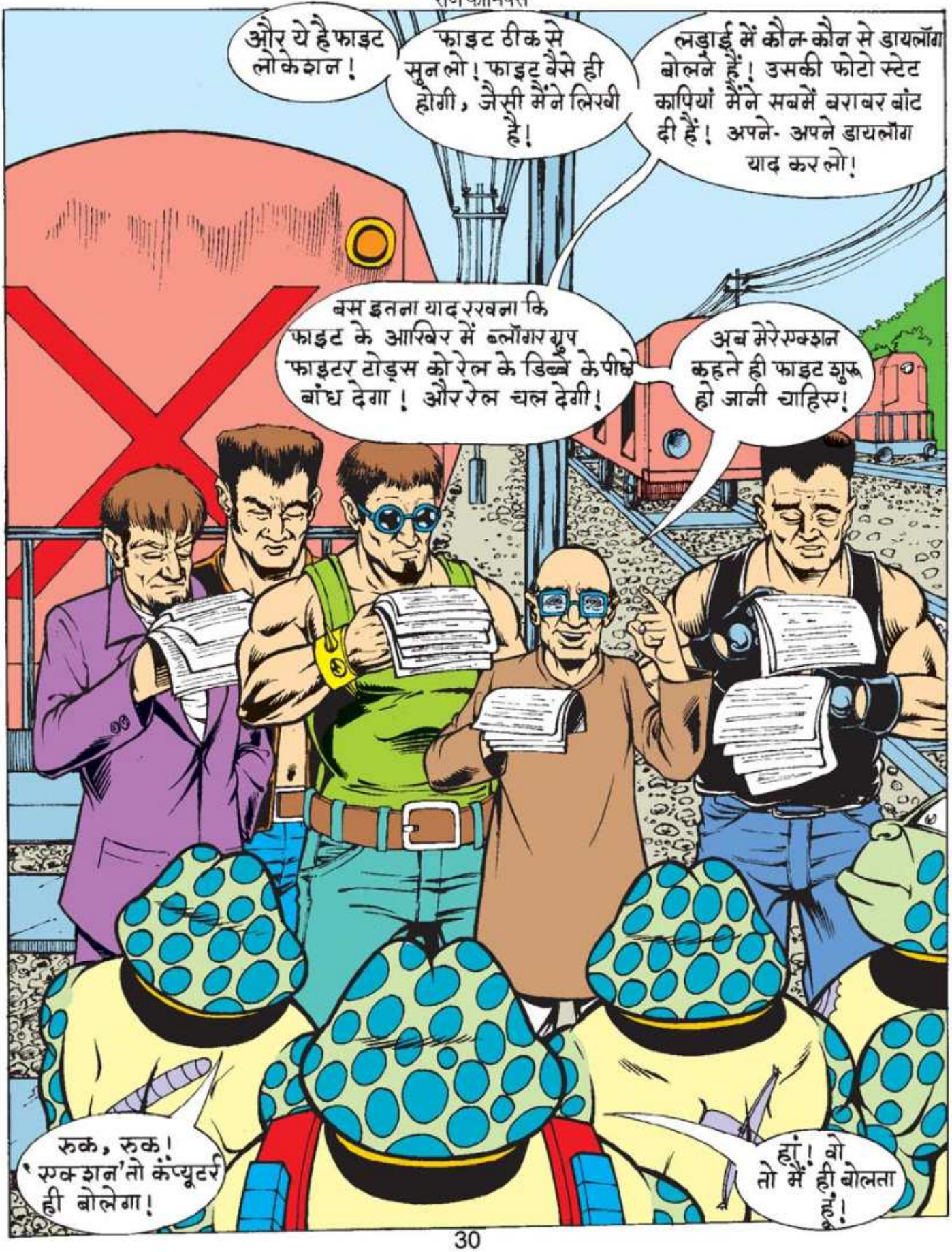
और ये है फाइट लोकेशन!
फाइट ठीक से सुन लो! फाइट वैसे ही होगी, जैसी मैंने लिखी है!
लड़ाई में कौन-कौन से डायलॉग बोलने हैं! उसकी फोटो स्टेट कापियां मैंने सबमें बराबर बांट दी हैं! अपने-अपने डायलॉग याद कर लो!
बस इतना याद रखना कि फाइट के आखिर में ब्लॉगर ग्रुप फाइटर टोड्स को रेल के डिब्बे के पीछे बांध देगा! और रेल चल देगी!
अब मेरे एक्शन कहते ही फाइट शुरू हो जानी चाहिए!
रुक, रुक! 'एक्शन' तो कंप्यूटर ही बोलेगा!
हां! वो तो मैं ही बोलता हूं!

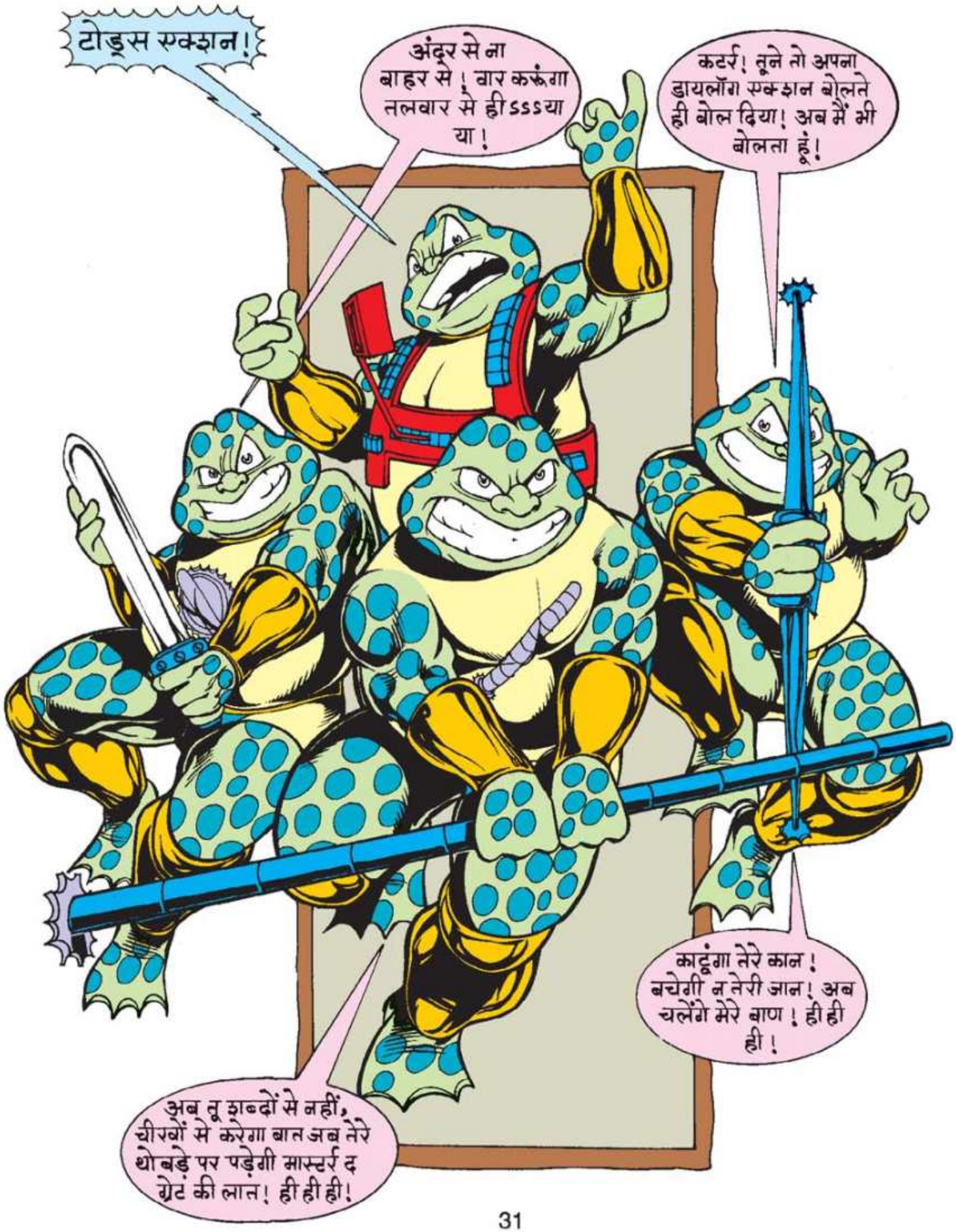
टोड्स एक्शन!
अंदर से ना बाहर से ! वार करूंगा तलवार से ही ऽऽऽया या !
कटर्र! तूने तो अपना डायलॉग एक्शन बोलते ही बोल दिया! अब मैं भी बोलता हूं!
काटूंगा तेरे कान ! बचेगी न तेरी जान! अब चलेंगे मेरे बाण ! ही ही ही !
अब तू शब्दों से नहीं, चीखों से करेगा बात जब तेरे थोबड़े पर पड़ेगी मास्टर्र द ग्रेट की लात! ही ही ही!

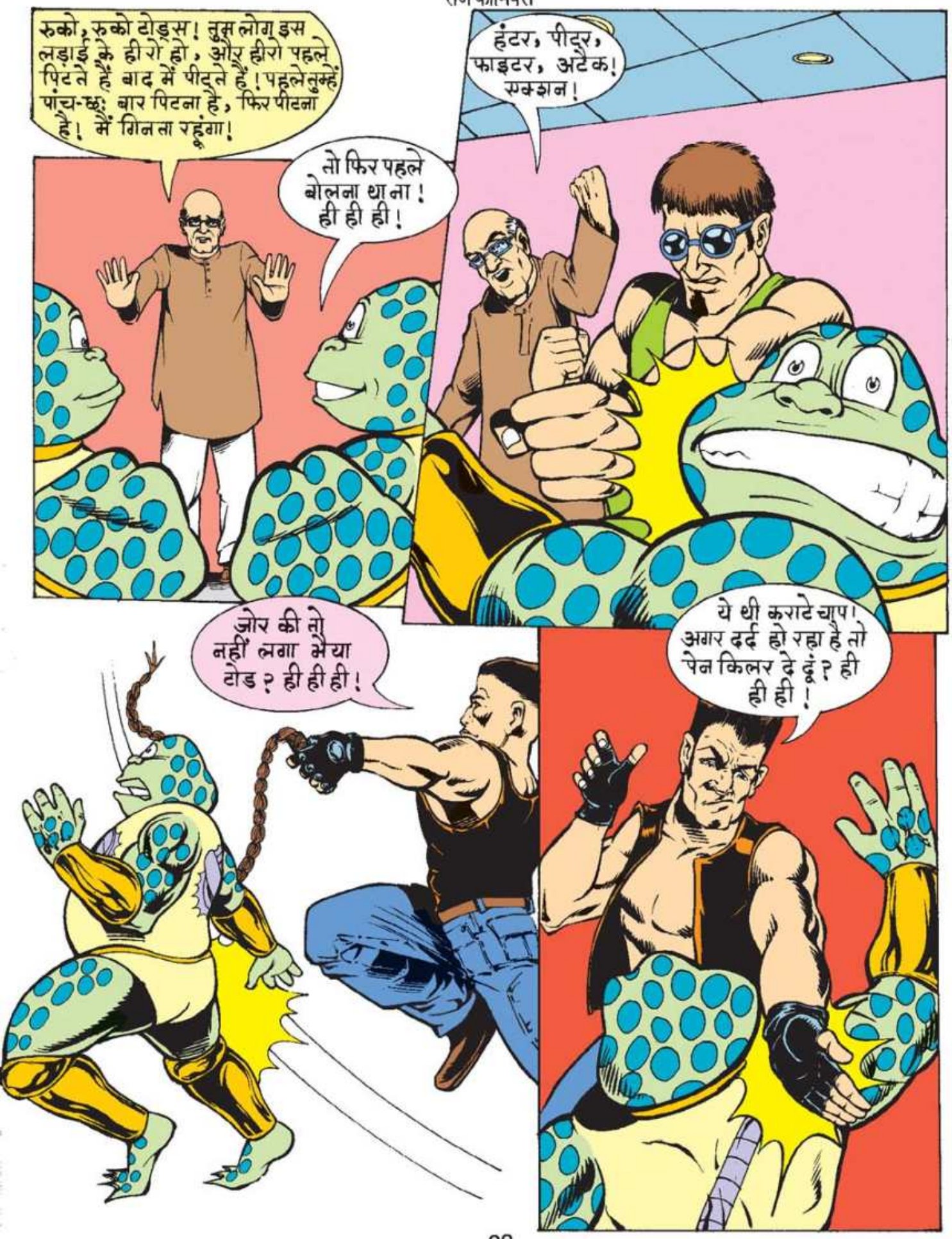
रुको, रुको टोड्स! तुम लोग इस लड़ाई के हीरो हो, और हीरो पहले पिटते हैं बाद में पीटते हैं! पहले तुम्हें पांच-छः बार पिटना है, फिर पीटना है! मैं गिनता रहूंगा!
तो फिर पहले बोलना था ना! ही ही ही!
हंटर, पीटर, फाइटर, अटैक! एक्शन!
जोर की तो नहीं लगा भैया टोड? ही ही ही!
ये थी कराटे चाप! अगर दर्द हो रहा है तो पेन किलर दे दूं? ही ही ही!

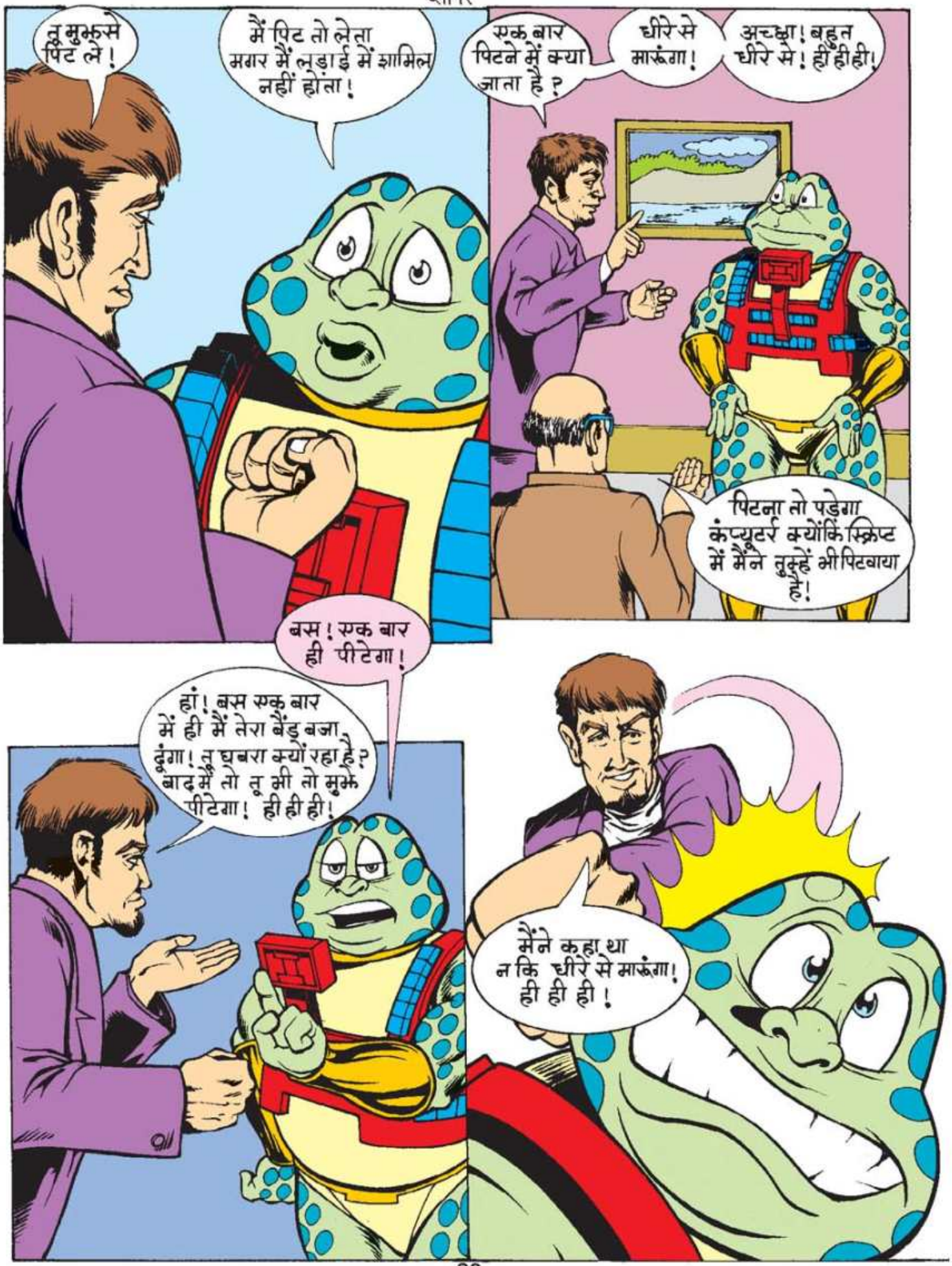
तू मुझसे पिट ले!
मैं पिट तो लेता मगर मैं लड़ाई में शामिल नहीं होता!
एक बार पिटने में क्या जाता है?
धीरे से मारूंगा!
अच्छा! बहुत धीरे से! ही ही ही!
पिटना तो पड़ेगा कंप्यूटर क्योंकि स्क्रिप्ट में मैंने तुम्हें भी पिटवाया है!
बस! एक बार ही पीटेगा!
हां! बस एक बार में ही मैं तेरा बैंड बजा दूंगा! तू घबरा क्यों रहा है? बाद में तो तू भी तो मुझे पीटेगा! ही ही ही!
मैंने कहा था न कि धीरे से मारूंगा! ही ही ही!

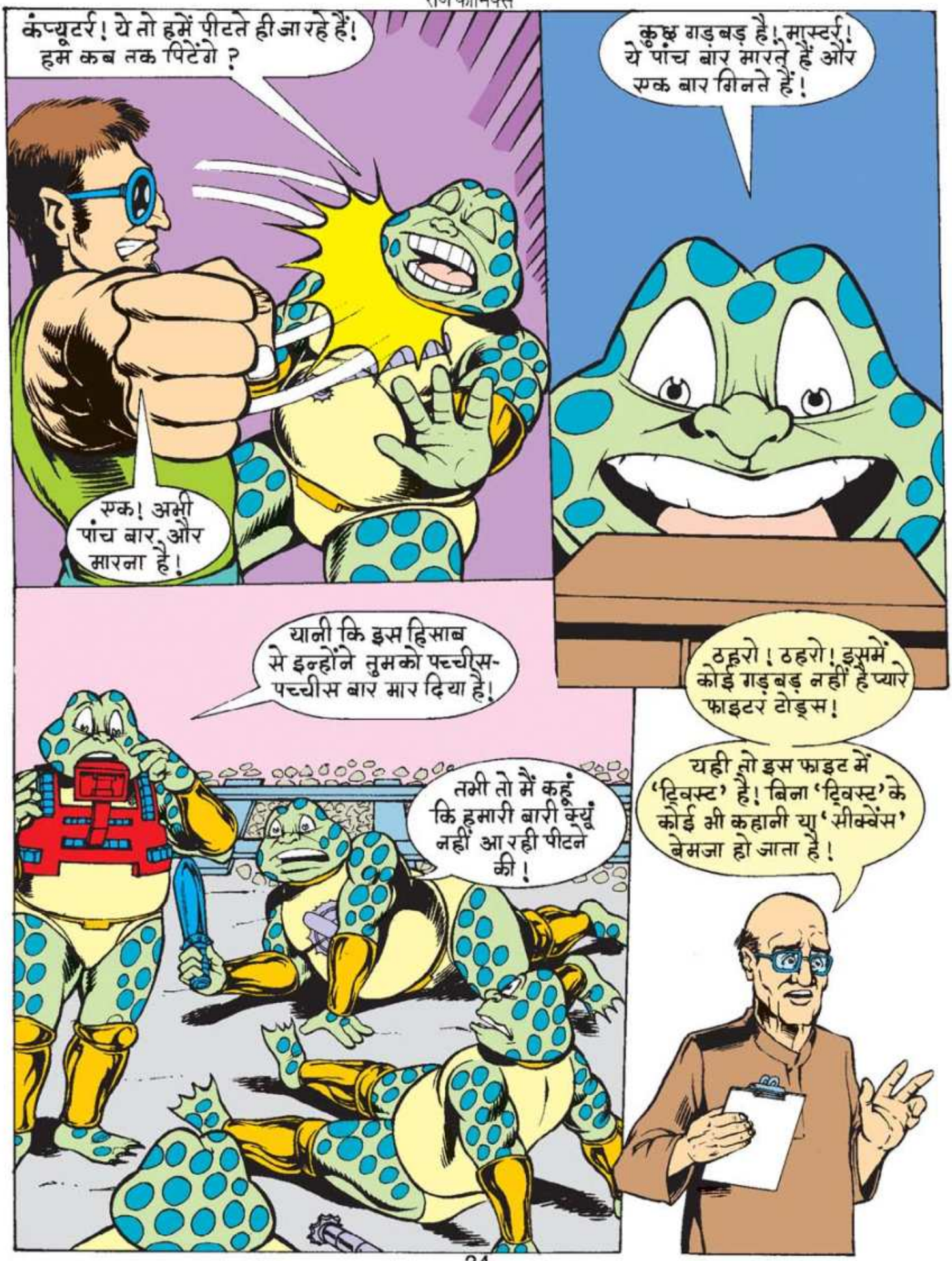
कंप्यूटर्र! ये तो हमें पीटते ही जा रहे हैं! हम कब तक पिटेंगे ?
एक! अभी पांच बार और मारना है!
कुछ गड़बड़ है! मास्टर्र! ये पांच बार मारते हैं और एक बार गिनते हैं!
ठहरो! ठहरो! इसमें कोई गड़बड़ नहीं है प्यारे फाइटर टोड्स!
यानी कि इस हिसाब से इन्होंने तुमको पच्चीस-पच्चीस बार मार दिया है!
तभी तो मैं कहूं कि हमारी बारी क्यूं नहीं आ रही पीटने की!
यही तो इस फाइट में 'ट्विस्ट' है! बिना 'ट्विस्ट' के कोई भी कहानी या 'सीक्वेंस' बेमजा हो जाता है!

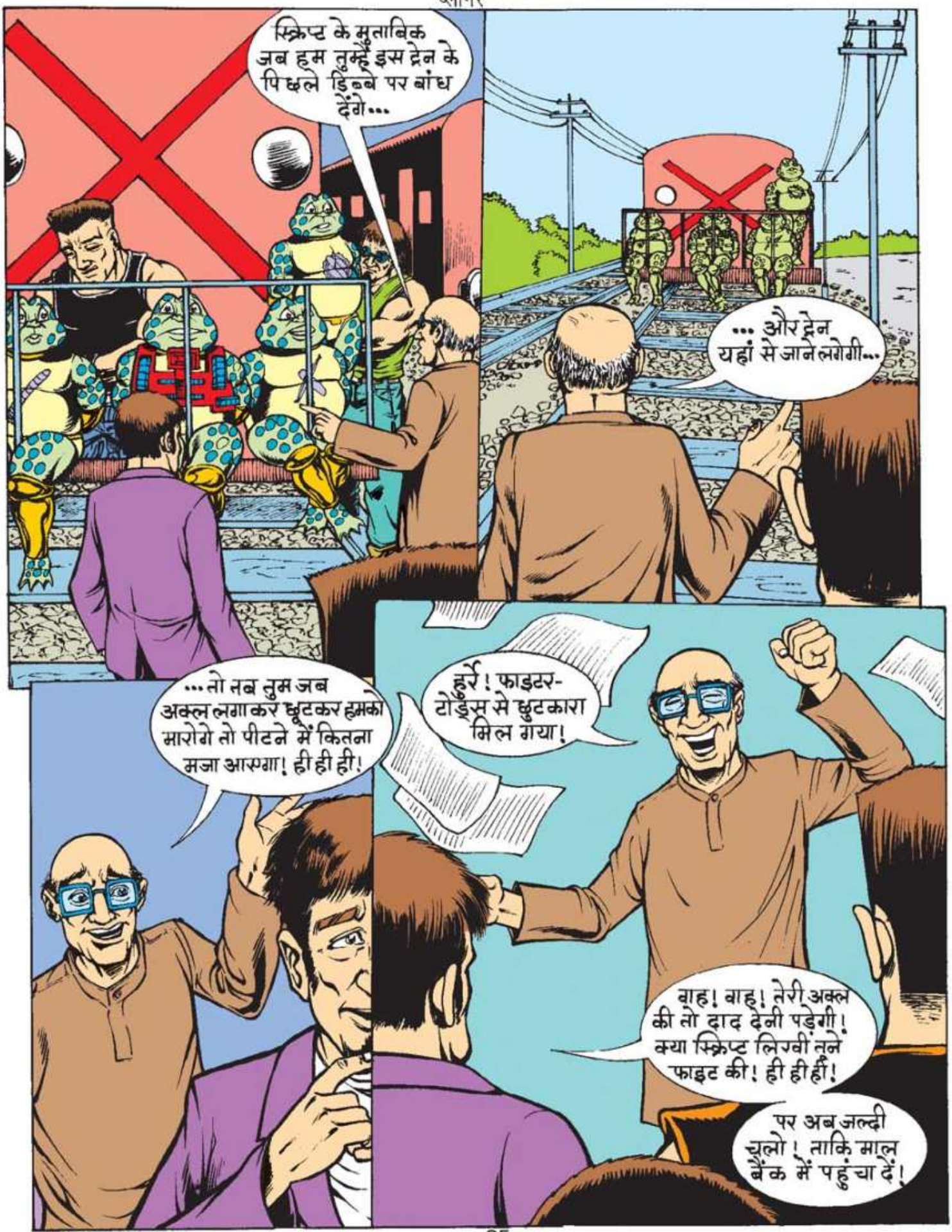
स्क्रिप्ट के मुताबिक जब हम तुम्हें इस ट्रेन के पिछले डिब्बे पर बांध देंगे...
... और ट्रेन यहां से जाने लगेगी...
हुर्रे! फाइटर-टोड्स से छुटकारा मिल गया!
...तो तब तुम जब अक्ल लगाकर छूटकर हमको मारोगे तो पीटने में कितना मजा आएगा! ही ही ही!
वाह! वाह! तेरी अक्ल की तो दाद देनी पड़ेगी! क्या स्क्रिप्ट लिखी तूने फाइट की! ही ही ही!
पर अब जल्दी चलो! ताकि माल बैंक में पहुंचा दें!

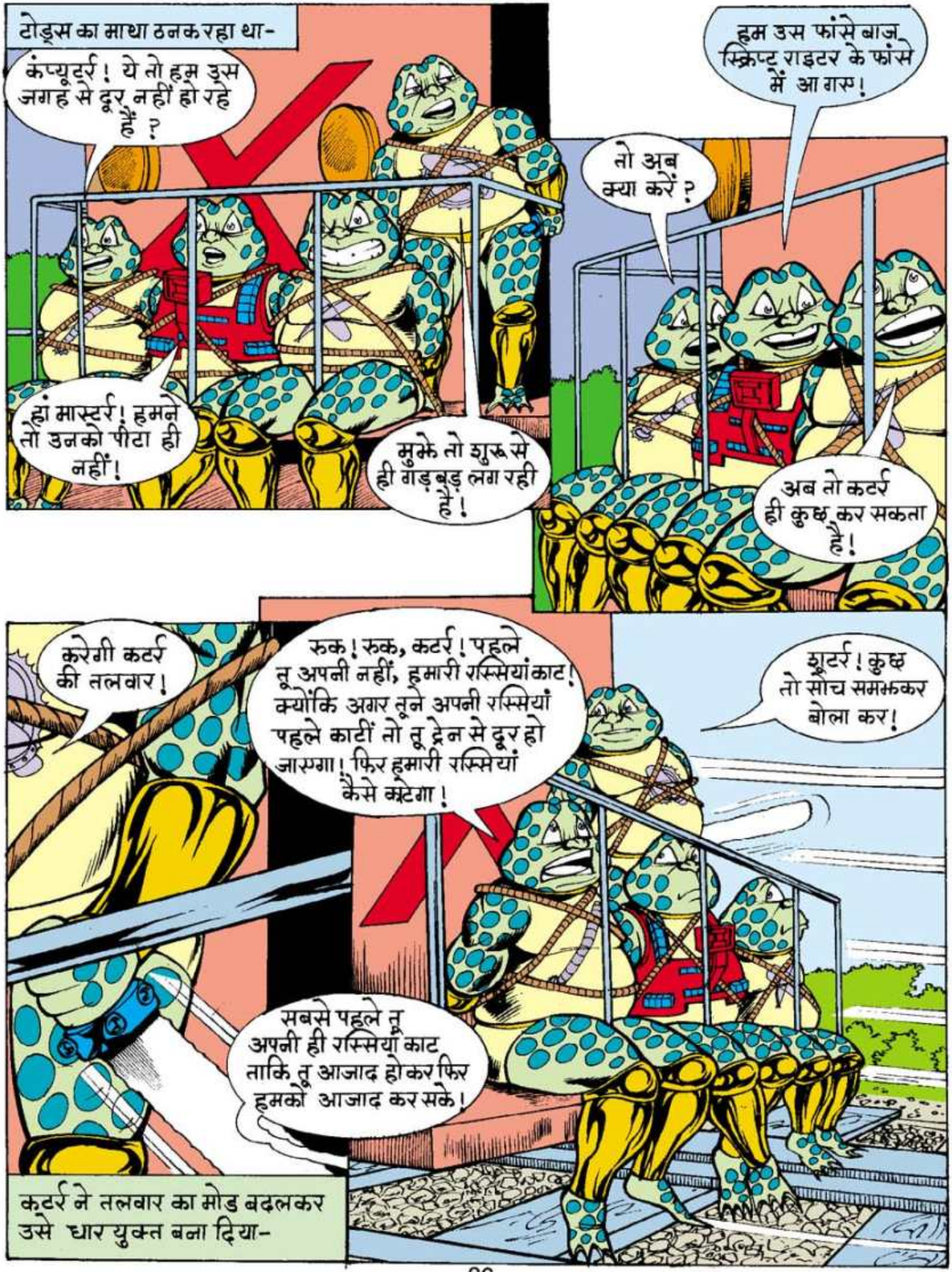
टोड्स का माथा ठनक रहा था-
कंप्यूटर्र ! ये तो हम उस जगह से दूर नहीं हो रहे हैं ?
हां मास्टर्र ! हमने तो उनको पीटा ही नहीं !
मुझे तो शुरू से ही गड़बड़ लग रही है !
हम उस फांसेबाज स्क्रिप्ट राइटर के फांसे में आ गए !
तो अब क्या करें ?
अब तो कटर्र ही कुछ कर सकता है !
शूटर्र ! कुछ तो सोच समझकर बोला कर !
रुक ! रुक, कटर्र ! पहले तू अपनी नहीं, हमारी रस्सियां काट ! क्योंकि अगर तूने अपनी रस्सियां पहले काटीं तो तू ट्रेन से दूर हो जाएगा ! फिर हमारी रस्सियां कैसे काटेगा !
करेगी कटर्र की तलवार !
सबसे पहले तू अपनी ही रस्सियां काट ताकि तू आजाद होकर फिर हमको आजाद कर सके !
कटर्र ने तलवार का मोड बदलकर उसे धार युक्त बना दिया-

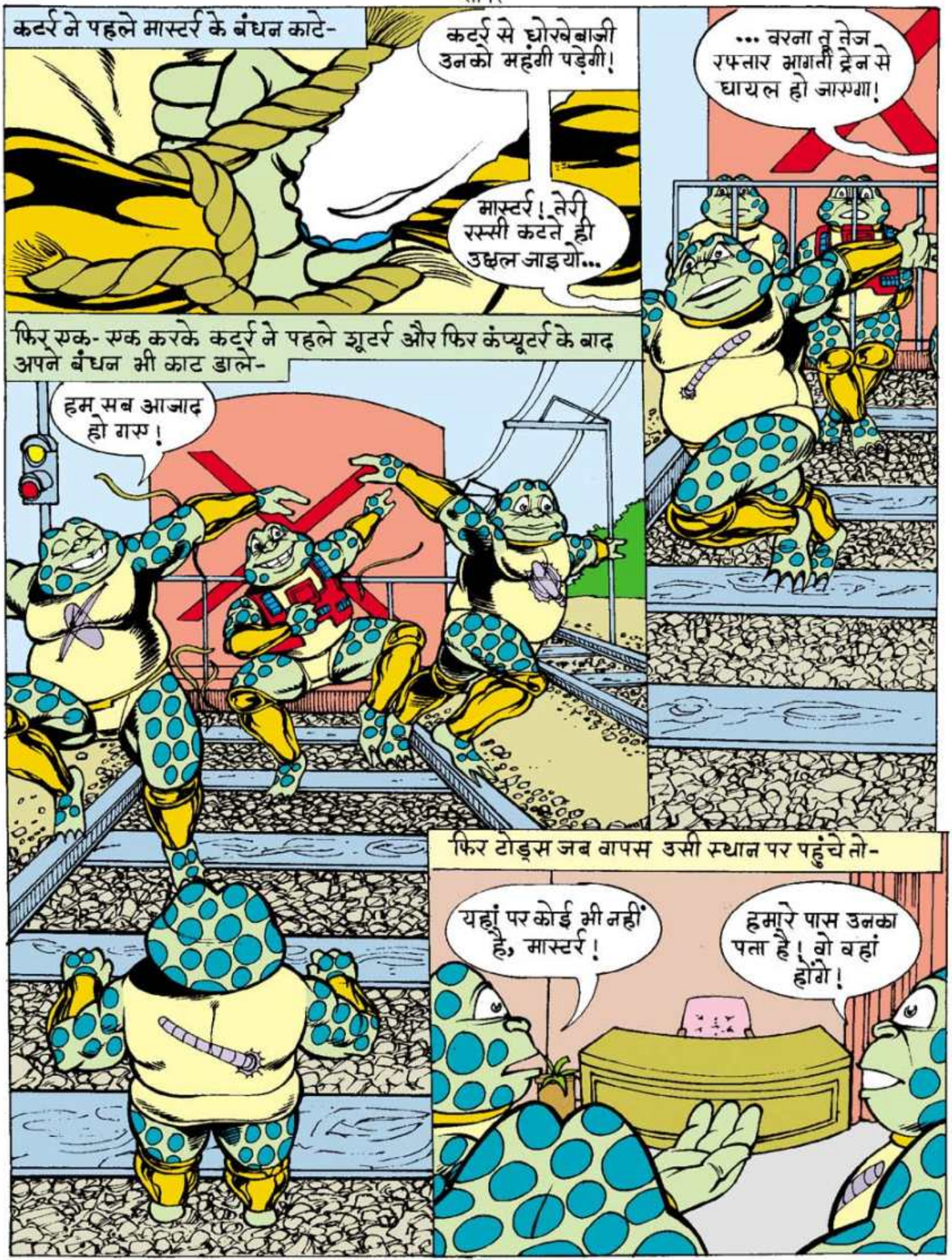
कर्टर ने पहले मास्टर के बंधन काटे-
कर्टर से धोखेबाजी उनको महंगी पड़ेगी!
मास्टर! तेरी रस्सी कटते ही उछल जाइयो...
... वरना तू तेज रफ्तार भागती ट्रेन से घायल हो जाएगा!
फिर एक-एक करके कर्टर ने पहले शूटर और फिर कंप्यूटर के बाद अपने बंधन भी काट डाले-
हम सब आजाद हो गए!
फिर टोड्स जब वापस उसी स्थान पर पहुंचे तो-
यहां पर कोई भी नहीं है, मास्टर!
हमारे पास उनका पता है! वो वहां होंगे!

ब्लॉगर अब लालच छोड़ वहां रुकने वाला नहीं था-
अगर हम यहां रुके तो वो टोड्स वापस वहीं पहुंचकर हमें छोड़ेंगे नहीं! हमें अपना ठिकाना बदलना होगा!
ब्लॉगर बॉस! अपना विदेशी एकाउंट तो चैक करो कि लोगों ने इंटर नैट बैंकिंग के जरिए कितना पैसा आपके एकाउंट में शिफ्ट कर दिया है! ही ही ही!
असली मुसीबत अब शुरू हुई थी-
क्या हुआ ब्लॉगर बॉस?
ये नहीं हो सकता! बहू हू!
थाली तो अड्डे पर ही छूट गई!
कौन सी थाली?
जिसके पीछे मैंने इंटरनेट बैंकिंग 'पासवर्ड' प्रिंट करवा रखा था!
वैन वापस घुमाकर वहीं ले चलते हैं!
थाली नहीं मिली-
थाली तो यहीं रखी थी!
मैं उसमें खाना खाता था! इसीलिए उसी के पीछे पासवर्ड गुदवा दिया था, ताकि कहीं भूल न जाऊं! बहू हू हू!

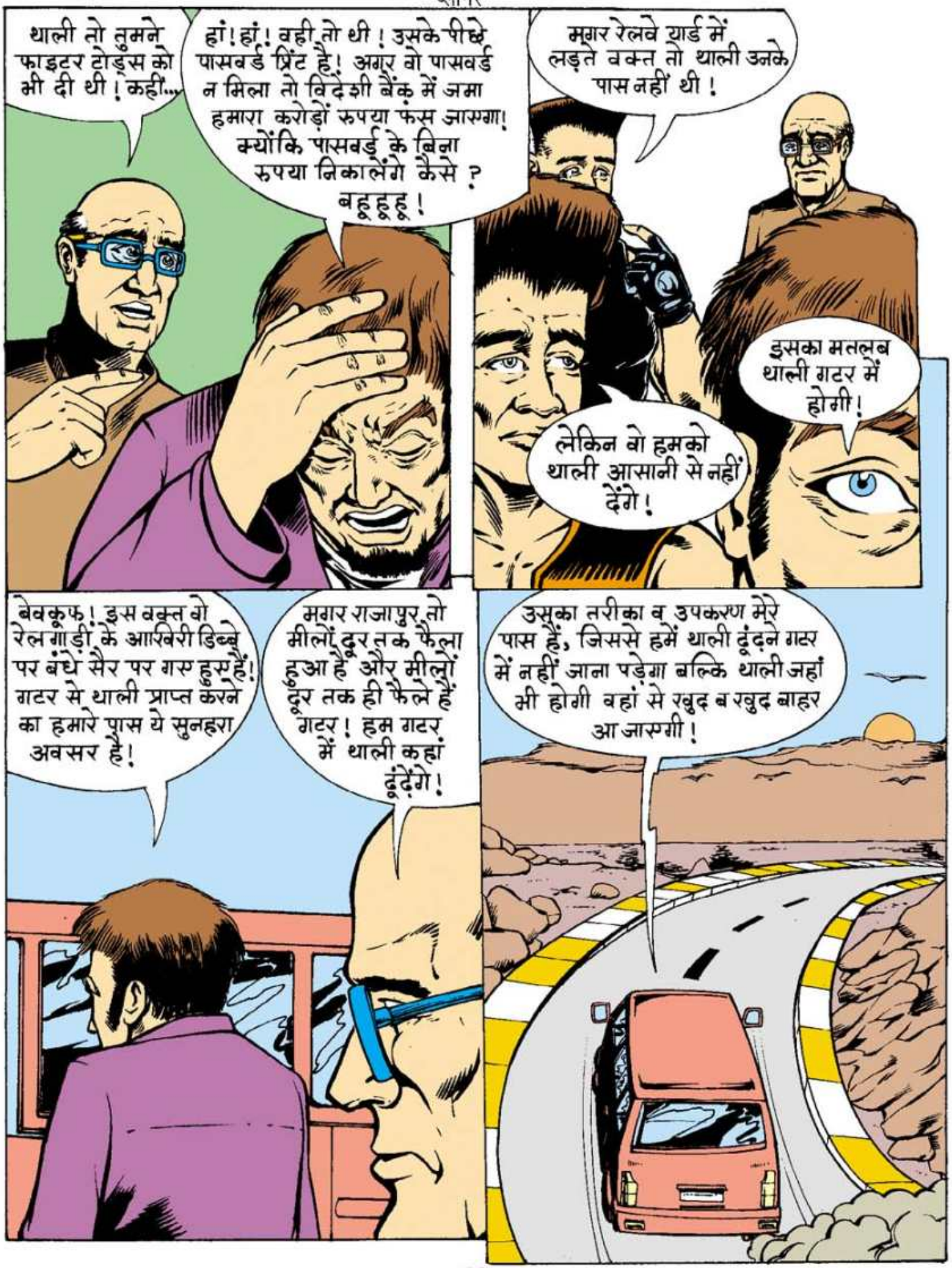
थाली तो तुमने फाइटर टोड्स को भी दी थी! कहीं...
हां! हां! वही तो थी! उसके पीछे पासवर्ड प्रिंट है! अगर वो पासवर्ड न मिला तो विदेशी बैंक में जमा हमारा करोड़ों रुपया फंस जाएगा! क्योंकि पासवर्ड के बिना रुपया निकालेंगे कैसे? बहूहूहू!
मगर रेलवे यार्ड में लड़ते वक्त तो थाली उनके पास नहीं थी!
इसका मतलब थाली गटर में होगी!
लेकिन वो हमको थाली आसानी से नहीं देंगे!
बेवकूफ! इस वक्त वो रेलगाड़ी के आखिरी डिब्बे पर बंधे सैर पर गए हुए हैं! गटर से थाली प्राप्त करने का हमारे पास ये सुनहरा अवसर है!
मगर राजापुर तो मीलों दूर तक फैला हुआ है और मीलों दूर तक ही फैले हैं गटर! हम गटर में थाली कहां ढूंढेंगे!
उसका तरीका व उपकरण मेरे पास हैं, जिससे हमें थाली ढूंढने गटर में नहीं जाना पड़ेगा बल्कि थाली जहां भी होगी वहां से खुद ब खुद बाहर आ जाएगी!

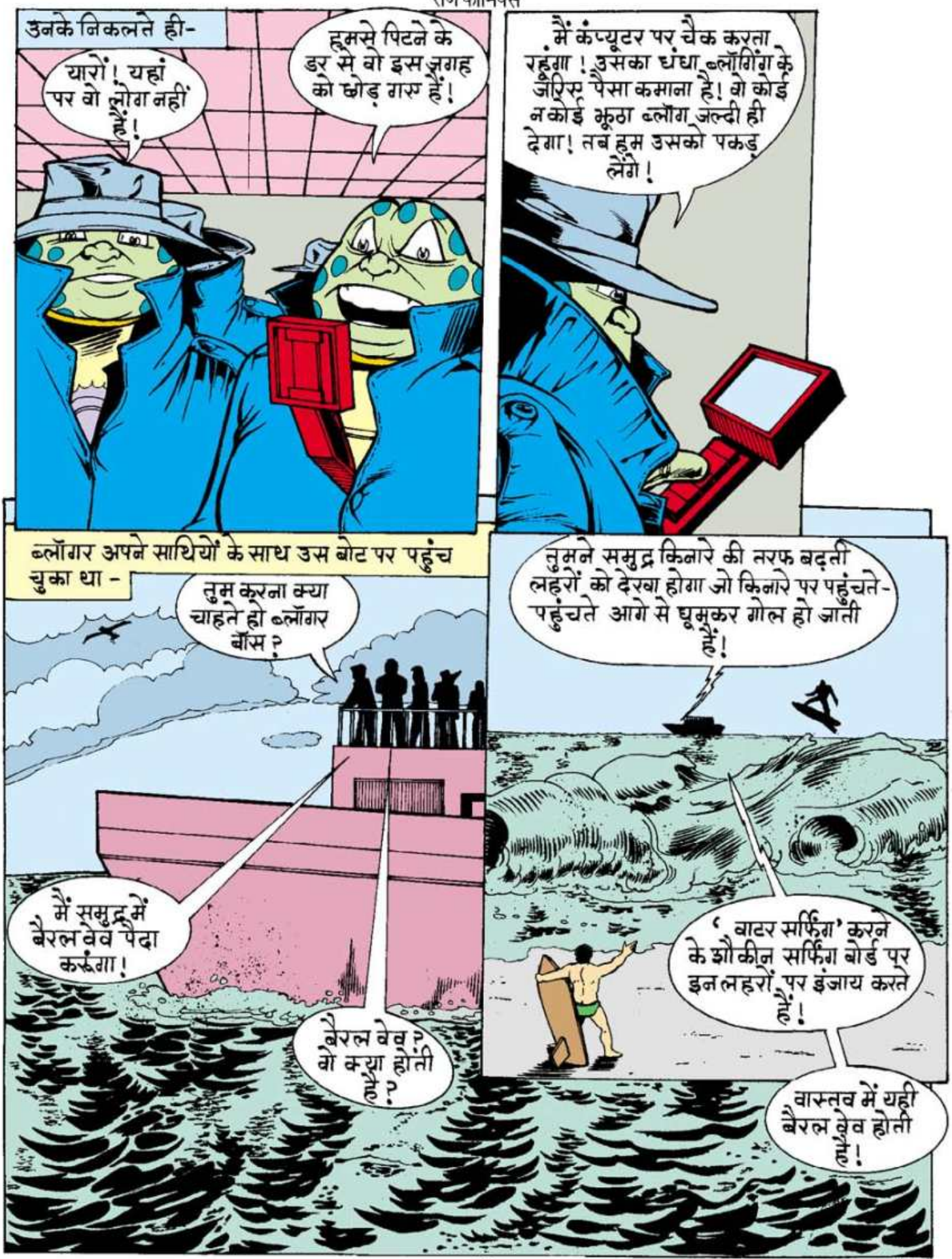
उनके निकलते ही-
यारों! यहां पर वो लोग नहीं हैं!
हमसे पिटने के डर से वो इस जगह को छोड़ गए हैं!
मैं कंप्यूटर पर चैक करता रहूंगा! उसका धंधा ब्लॉगिंग के जरिए पैसा कमाना है! वो कोई न कोई झूठा ब्लॉग जल्दी ही देगा! तब हम उसको पकड़ लेंगे!
ब्लॉगर अपने साथियों के साथ उस बोट पर पहुंच चुका था -
तुम करना क्या चाहते हो ब्लॉगर बॉस?
तुमने समुद्र किनारे की तरफ बढ़ती लहरों को देखा होगा जो किनारे पर पहुंचते-पहुंचते आगे से घूमकर गोल हो जाती हैं!
मैं समुद्र में बैरल वेव पैदा करूंगा!
बैरल वेव? वो क्या होती है?
'वाटर सर्फिंग' करने के शौकीन सर्फिंग बोर्ड पर इन लहरों पर इंजाय करते हैं!
वास्तव में यही बैरल वेव होती है!

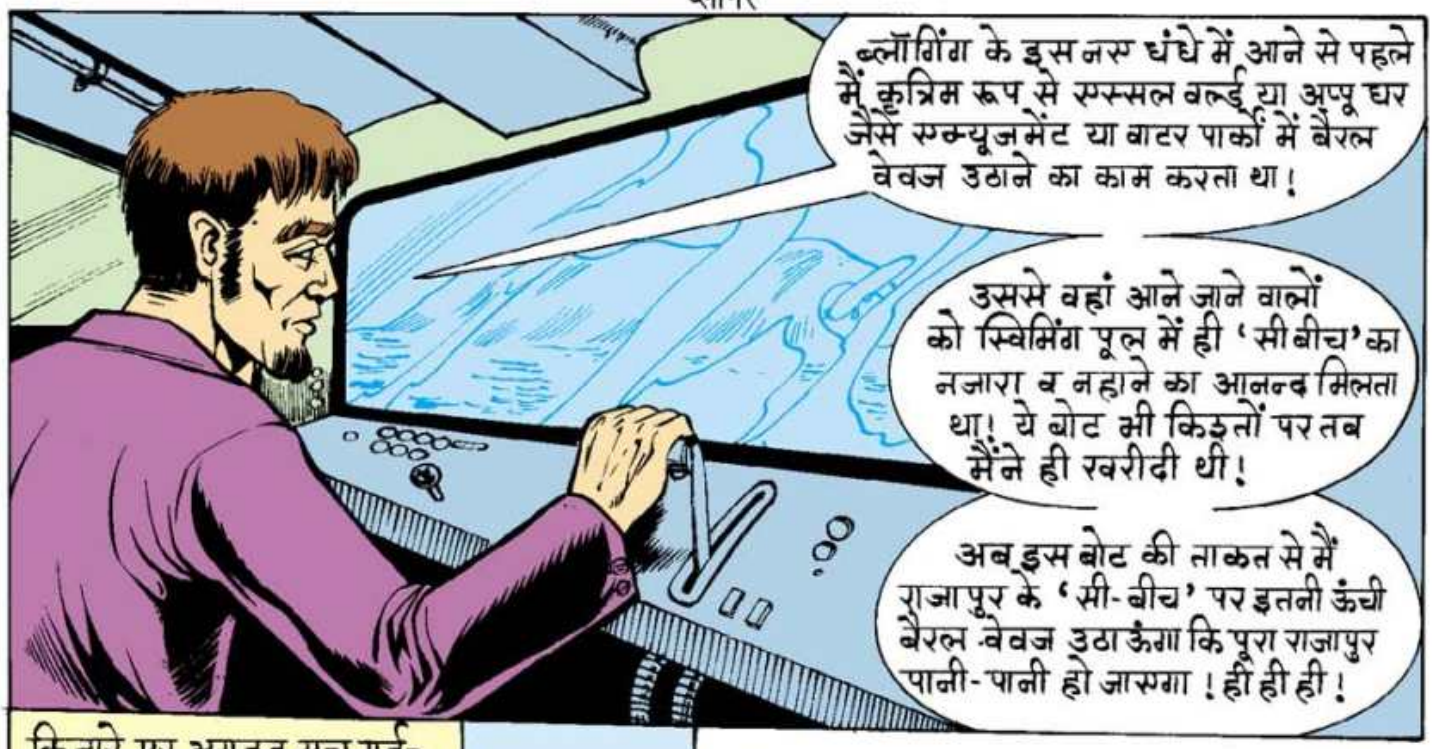

ब्लॉगिंग के इस नए धंधे में आने से पहले मैं कृत्रिम रूप से एस्सल वर्ल्ड या अप्पू घर जैसे एम्यूजमेंट या वाटर पार्कों में बैरल वेवज उठाने का काम करता था!
उससे वहां आने जाने वालों को स्विमिंग पूल में ही 'सी बीच' का नजारा व नहाने का आनन्द मिलता था! ये बोट भी किश्तों पर तब मैंने ही खरीदी थी!
अब इस बोट की ताकत से मैं राजापुर के 'सी-बीच' पर इतनी ऊंची बैरल-वेवज उठाऊंगा कि पूरा राजापुर पानी-पानी हो जाएगा! ही ही ही!
किनारे पर भगदड़ मच गई-
भागो! ये तो सूनामी की लहरें हैं!
राजापुर में पानी-पानी हो गया-
बचाओ
बचाओ

बचाने आए टोड्स-
मास्टर्र, कटर्र, शूटर्र! राजापुर के लोगों को हमारी जरूरत है! टोड्स एक्शन! इनको ऊंची जगहों पर पहुंचाना होगा!
हमको इनको बचाना होगा!
गटरों में भी पानी भर गया होगा मास्टर्र! हमारा टोड निवास भी डूब गया होगा!
फिलहाल तू टोड निवास की चिन्ता छोड़ और राजापुर के लोगों को बचाने की चिन्ता कर!

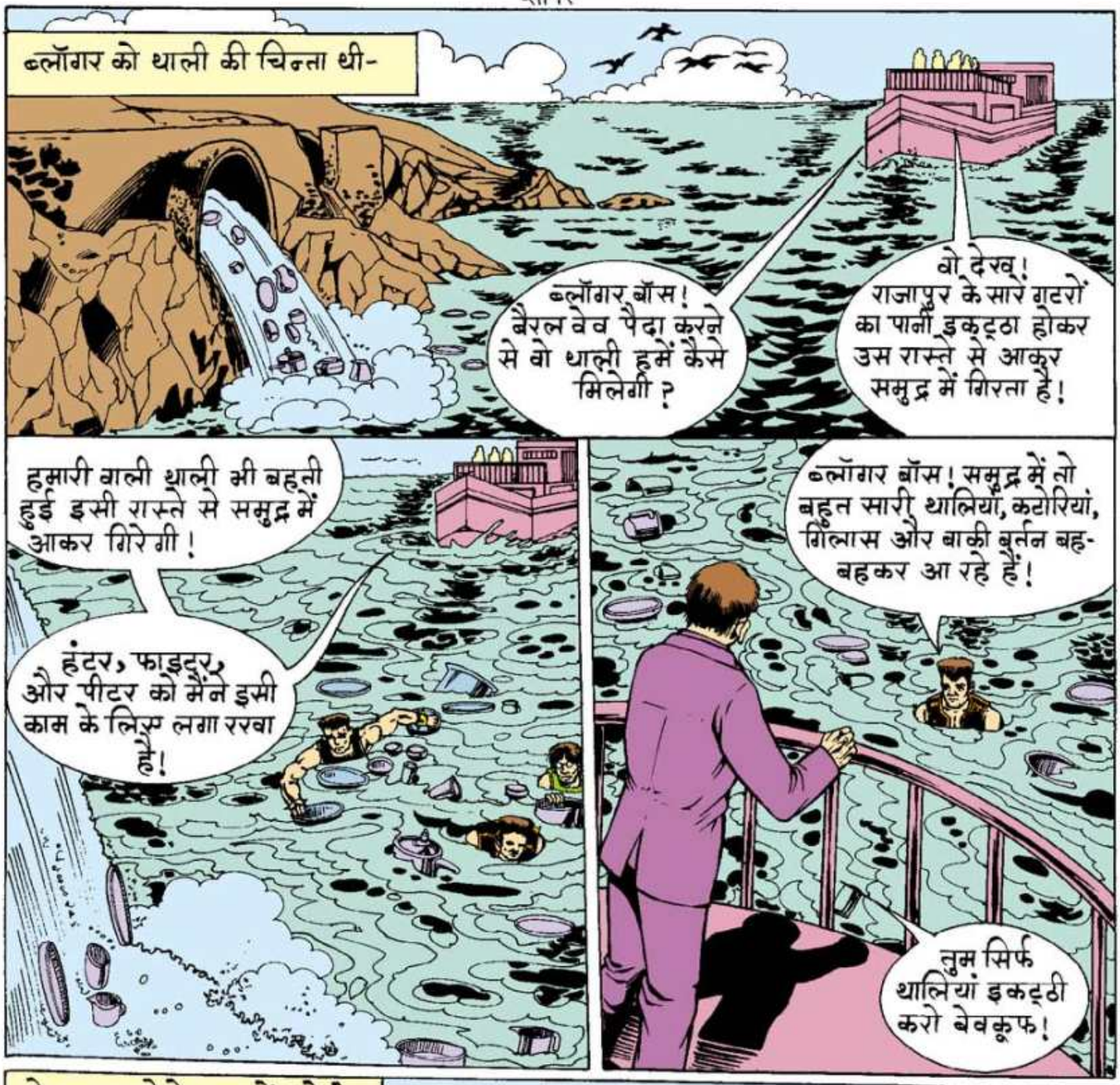
ब्लॉगर को थाली की चिन्ता थी-
ब्लॉगर बॉस! बैरल वेव पैदा करने से वो थाली हमें कैसे मिलेगी?
वो देख! राजापुर के सारे गटरों का पानी इकट्ठा होकर उस रास्ते से आकर समुद्र में गिरता है!
हमारी वाली थाली भी बहती हुई इसी रास्ते से समुद्र में आकर गिरेगी!
हंटर, फाइटर, और पीटर को मैंने इसी काम के लिए लगा रखा है!
ब्लॉगर बॉस! समुद्र में तो बहुत सारी थालियां, कटोरियां, गिलास और बाकी बर्तन बह-बहकर आ रहे हैं!
तुम सिर्फ थालियां इकट्ठी करो बेवकूफ!

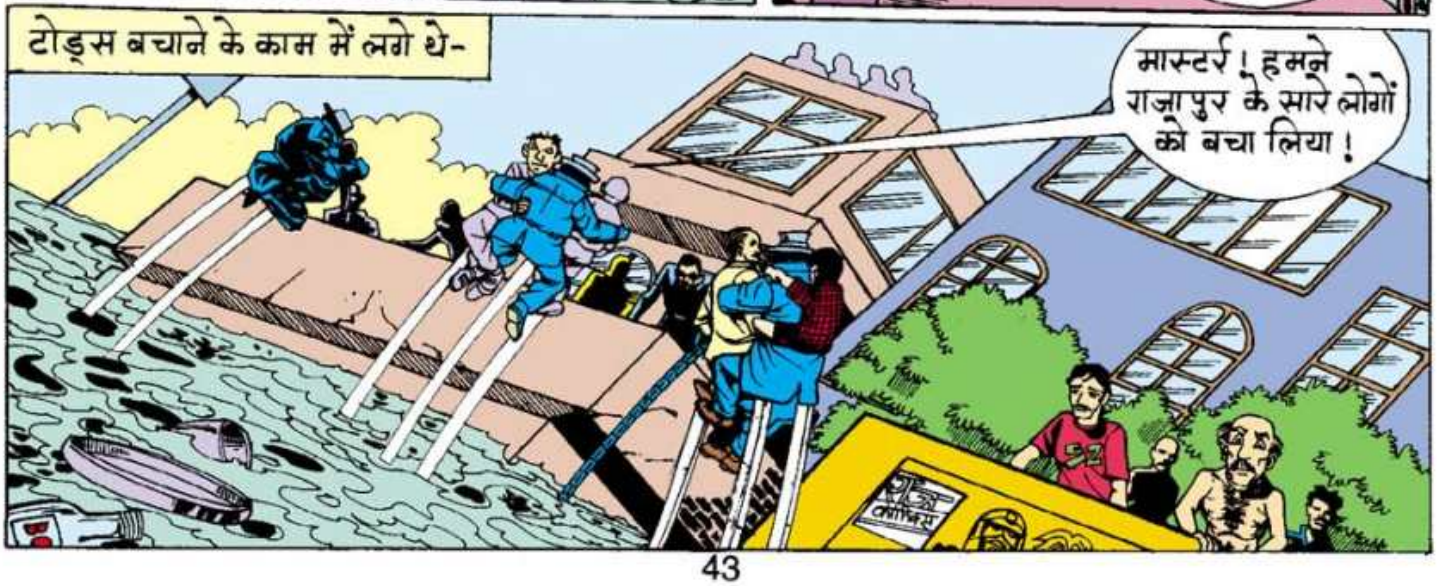
टोड्स बचाने के काम में लगे थे-
मास्टर्र! हमने राजापुर के सारे लोगों को बचा लिया!

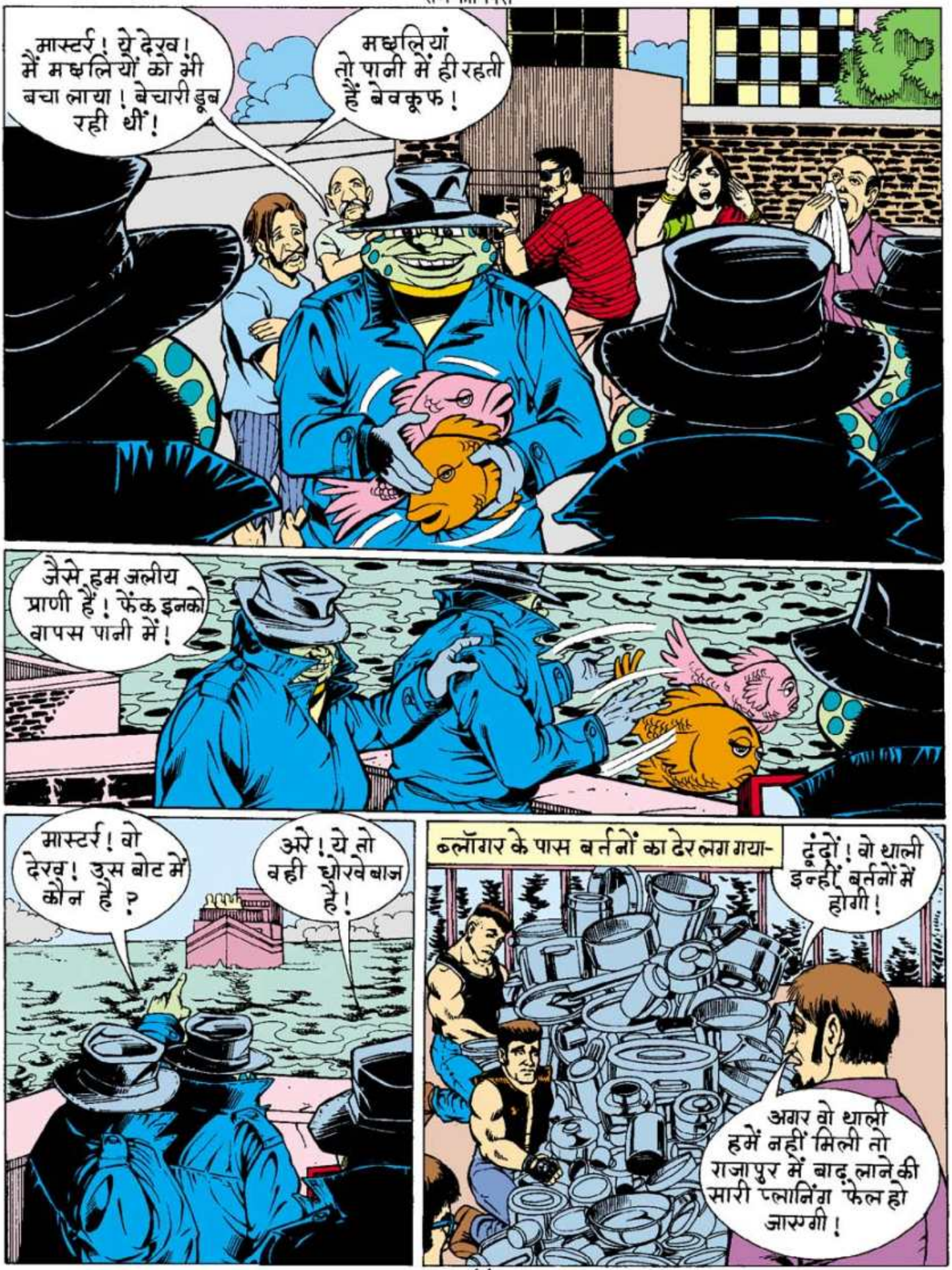
मास्टर्र ! ये देखो ! मैं मछलियों को भी बचा लाया ! बेचारी डूब रही थीं !
मछलियां तो पानी में ही रहती हैं बेवकूफ !
जैसे हम जलीय प्राणी हैं ! फेंक इनको वापस पानी में !
मास्टर्र ! वो देखो ! उस बोट में कौन है ?
अरे ! ये तो वही घोरवे बाज है !
ब्लॉगर के पास बर्तनों का ढेर लग गया-
ढूंढो ! वो थाली इन्हीं बर्तनों में होगी !
अगर वो थाली हमें नहीं मिली तो राजापुर में बाढ़ लाने की सारी प्लानिंग फेल हो जाएगी !

वो थाली तो मेरे पास है! मैंने अपनी ढाल के नीचे ये सोचकर रख ली थी कि शायद चंदा इसमें फिर से दिखने लगे!
मास्टर्र! राजापुर में बाढ़ इन्हीं के कारण आई है!
प्यारे फाइटर टोड! तुमको हमें पीटना हो तो पीट लो, पर वो थाली मुझे दे दो! आज मेरा व्रत है! और व्रत का खाना मैं इसी थाली में खाता हूं! अगर ये थाली मुझे न मिली तो मैं भूखा मर जाऊंगा!
बाढ़ तो राजापुर में आई है कंप्यूटर! मगर अब तबाही यहां आएगी!
हां, हम पिटने के लिए तैयार हैं! हम पिटने के लिए ही तो तुम्हें ढूंढ रहे थे!

कंप्यूटर ! अब हम इन बदमाशों के किसी फांसे में नहीं आएंगे ! तू बस बोल !
अगर तूने आज रवाना नहीं रवाया तो फिर तेरी कमीज पर ये हल्दी का पीला दाग कहां से आया ?
ये तो बटर चिकन की तरी का दाग है !
मेरा मतलब ये भूरव रुकादशी का व्रत है ! ये वाला व्रत रवाना रवाने के बाद रखते हैं !
ठहरो ! मुझे फाइट लिखने दो ! नई लड़ाई लिखूंगा तो उसमें लड़ने में मजा आएगा !
नई लड़ाई लिखेगा ?

अब मैं तुमसे लड़ूंगा नहीं, बल्कि तुम्हें पीटूंगा!
धाड़!!
आह

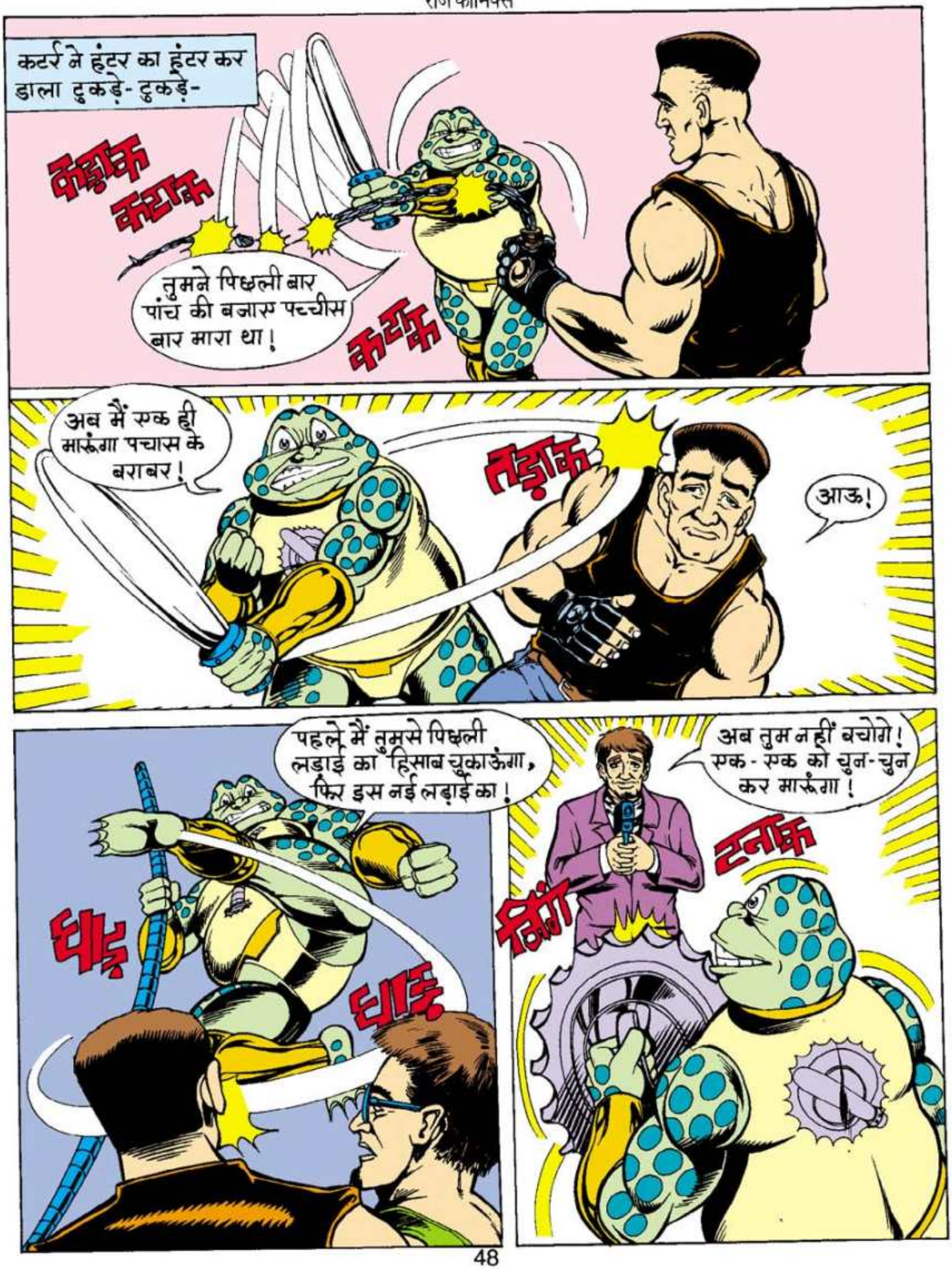

कटर्र ने हंटर का हंटर कर डाला टुकड़े- टुकड़े-
कड़ाक
कटाक
तुमने पिछली बार पांच की बजाए पच्चीस बार मारा था!
कटाक
अब मैं एक ही मारूंगा पचास के बराबर!
तड़ाक
आऊ!
पहले मैं तुमसे पिछली लड़ाई का हिसाब चुकाऊंगा, फिर इस नई लड़ाई का!
धाड़
धाड़
अब तुम नहीं बचोगे! एक-एक को चुन-चुन कर मारूंगा!
टनाक
ठिंग

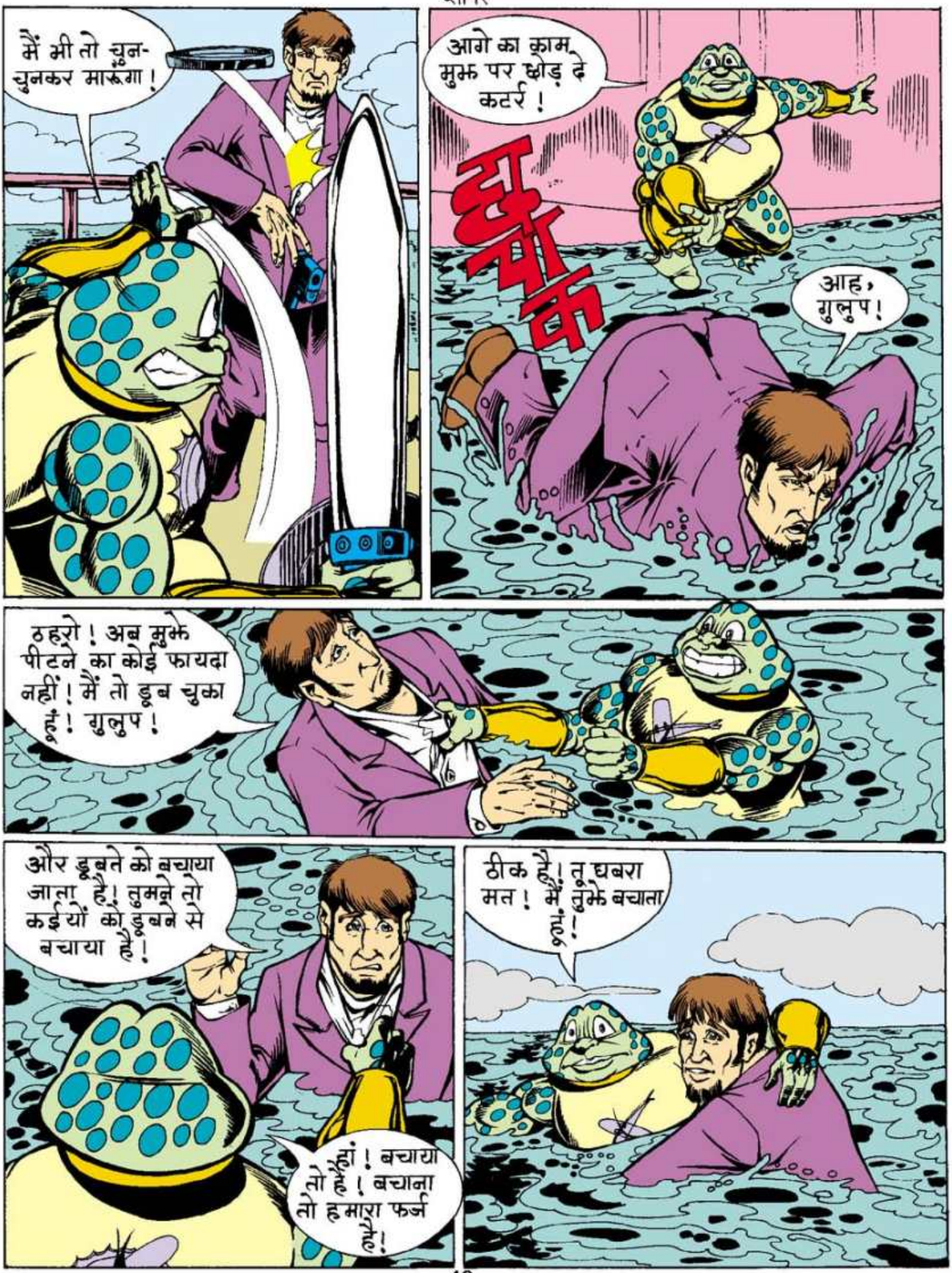

मैं भी तो चुन-चुनकर मारूंगा !
आगे का काम मुझ पर छोड़ दे कर्टर !
छपाक
आह, गुलुप !
ठहरो ! अब मुझे पीटने का कोई फायदा नहीं ! मैं तो डूब चुका हूं ! गुलुप !
और डूबते को बचाया जाता है ! तुमने तो कईयों को डूबने से बचाया है !
हां ! बचाया तो है ! बचाना तो हमारा फर्ज है !
ठीक है ! तू घबरा मत ! मैं तुझे बचाता हूं !

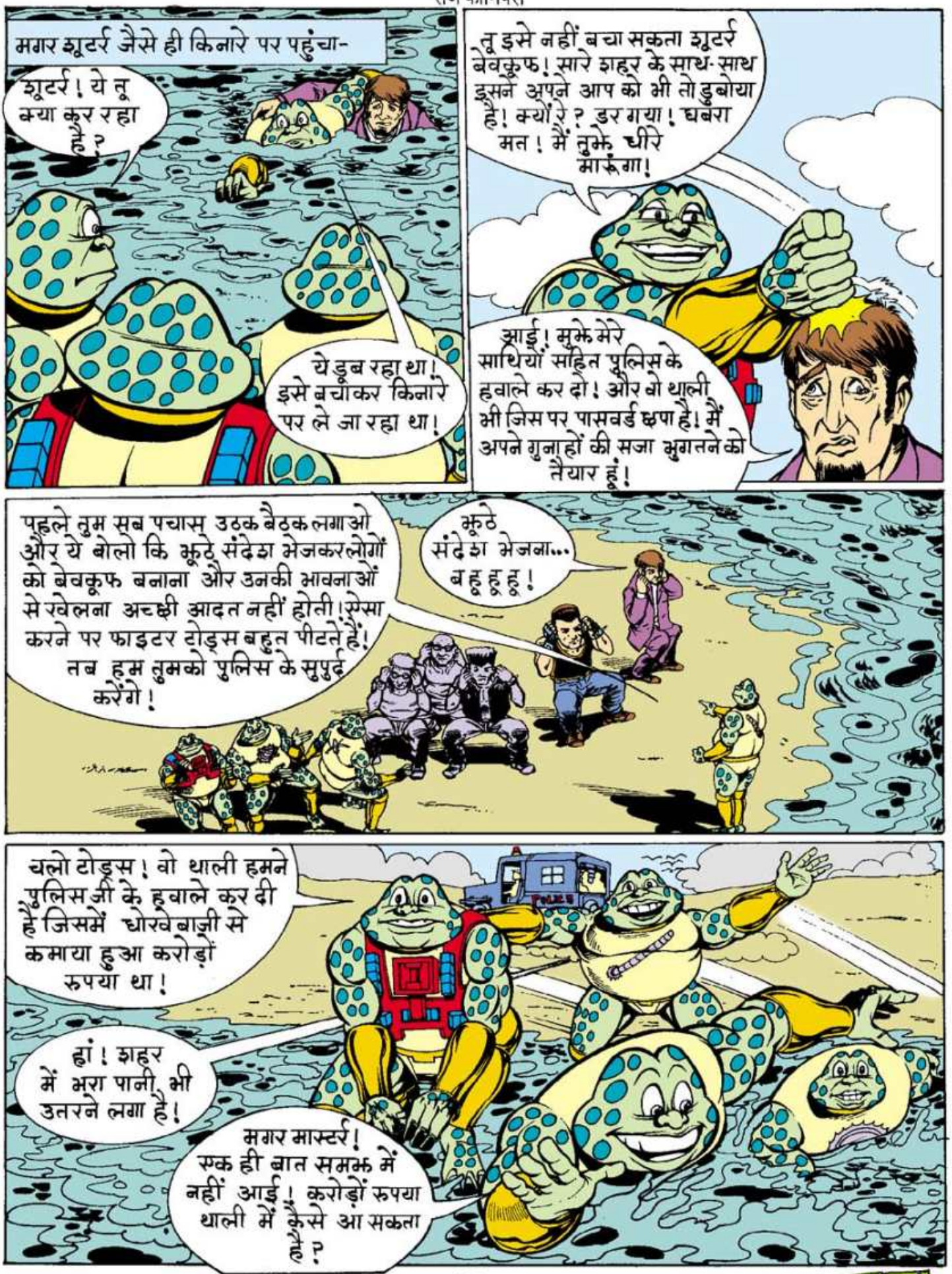
मगर शूटर जैसे ही किनारे पर पहुंचा-
शूटर! ये तू क्या कर रहा है?
ये डूब रहा था! इसे बचाकर किनारे पर ले जा रहा था!
तू इसे नहीं बचा सकता शूटर बेवकूफ! सारे शहर के साथ-साथ इसने अपने आप को भी तो डुबोया है! क्यों रे? डर गया! घबरा मत! मैं तुझे धीरे मारूंगा!
आई! मुझे मेरे साथियों सहित पुलिस के हवाले कर दो! और वो थाली भी जिस पर पासवर्ड छपा है! मैं अपने गुनाहों की सजा भुगतने को तैयार हूं!
पहले तुम सब पचास उठक बैठक लगाओ और ये बोलो कि झूठे संदेश भेजकर लोगों को बेवकूफ बनाना और उनकी भावनाओं से खेलना अच्छी आदत नहीं होती! ऐसा करने पर फाइटर टोड्स बहुत पीटते हैं! तब हम तुमको पुलिस के सुपुर्द करेंगे!
झूठे संदेश भेजना... बहू हू हू!
चलो टोड्स! वो थाली हमने पुलिस जी के हवाले कर दी है जिसमें धोखेबाज़ी से कमाया हुआ करोड़ों रुपया था!
हां! शहर में भरा पानी भी उतरने लगा है!
मगर मास्टर! एक ही बात समझ में नहीं आई! करोड़ों रुपया थाली में कैसे आ सकता है?